www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

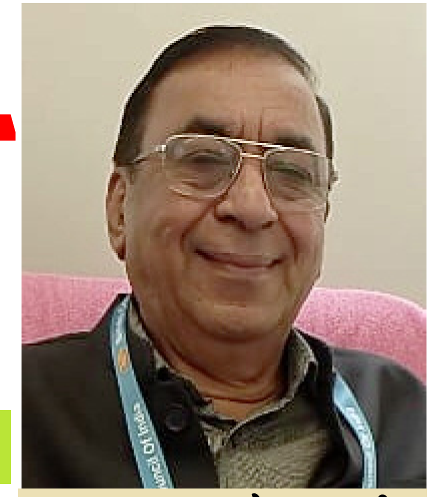

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 276 नई दिल्ली, शुक्रवार , 31 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

पीएम पोस्ट मामले में सरकार ने मेटा से मांगा जवाब

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों को सरकार के सामने पेश होकर पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट के लिए विस्तृत जवाब देने को कहा है, जिस पर कुछ समय के लिए फेसबुक ने अस्थाई रोक लगा दी थी। यह बैठक अगले सात से 10 दिनों के बीच हो सकती है। इस मामले को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस.कृष्णन ने कहा कि सरकार मामले को पूरी तरह से समझने के लिए मेटा से नीतिगत स्तर और तकनीकी स्तर दोनों प्रकार का स्पष्टीकरण लेना चाहती है।

अमेरिका ने ईरान पर नए सिरे हमले शुरू किए

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिकी प्रशासन ने इसे जवाबी कार्रवाई बताया है। अधिकारियों के अनुसार, ईरान ने मध्य-पूर्व में तैनात अमेरिकी सेना पर हमले की कोशिश की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि ऑपरेशन बुधवार को ईस्टर्न टाइम के हिसाब से रात 8 बजे शुरू हुआ। सेंटकॉम ने एक बयान में कहा, 'अमेरिकी सेना ने आज रात 8 बजे ईरान के खिलाफ हमले शुरू किए।

एडीबी ने भारत के लिए 1 अरब डॉलर का लोन मंजूर किया

नई दिल्ली। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने भारत सरकार के शहरी सुधारों के एजेंडा के समर्थन के लिए एक अरब डॉलर का लोन मंजूर किया है। इसका उद्देश्य शहरों में आर्थिक विकास, इनोवेशन और जीवन स्तर में सुधार करना है। 'अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन एंड इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम' केंद्र के प्रमुख 'अर्बन चैलेंज फंड' और उससे जुड़े सुधारों को लागू करने में मदद करेगा। इसका मकसद शहरी संस्थाओं को मजबूत करना, इंटीग्रेटेड इकोनॉमिक और स्पेशल प्लानिंग को बेहतर बनाना और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय क्षमता को बढ़ाना है।

एफबीआई का अमृतपाल सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से जुड़े भारतीय नागरिक अमृतपाल सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है जिस पर बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की आपूर्ति और साजिश रचने के गंभीर आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, अमृतपाल सिंह (30) कनाडा के वैंकूवर से संचालित होने वाले 'रविंदर ढांडा संगठित अपराध गिरोह' का कथित हिस्सा है।

विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली की दिशा में बड़ा कदम, संसद ने कठोर कानून वाला विधेयक पारित किया : मोदी

नईदिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि देश में विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली स्थापित करने की दिशा में संसद द्वारा कठोर प्रावधानों वाला विधेयक पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पेपर लीक पर अंकुश लगाने और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर जारी अपने वीडियो संदेश में कहा कि सरकार विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए लगातार एक के बाद एक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए टास्क फोर्स का गठन, फास्ट ट्रैक तंत्र की स्थापना और राज्यों के सुझावों को शामिल करने जैसे उपाय किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि वर्षों से केंद्र और राज्य सरकारें पेपर लीक की समस्या से जूझती रही हैं, जिससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है। इसी कारण देशभर में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग किया जाएगा।

मोदी ने कहा कि पेपर लीक कराने वाले माफिया और गिरोह, जो देश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए कठोर कानून की आवश्यकता थी और इसी उद्देश्य से सरकार संसद में विधेयक लेकर आई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों सदनों में सांसदों ने इस विधेयक पर विस्तार से चर्चा की और अब इसे पारित कर दिया गया है। उन्होंने इसे विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि सरकार इस दिशा में आगे भी लगातार काम करती रहेगी और ऐसी परिस्थितियों को लंबे समय तक बने नहीं रहने देगी। उन्होंने देशवासियों से विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

असम में बाढ़ से अभी भी सात जिले प्रभावित, तीन और लोगों की मौत

गुवाहाटी, 30 जुलाई (हि.स.)। असम में अभी भी सात जिले बाढ़े प्रभावित हैं। इस त्रासदी में तीन और लोगों की मौत हो गई। बाढ़ की विभिषिका के बाद अब नये सिरे से जीवन जीने के लिए जद्दोजहद शुरू हो गई है। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित उपरी असम के चार जिलों शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट में राहत एवं बचाव कार्य सरकारी एवं निजी स्तर पर जोरशोर से चला रहा है। बावजूद इसके लोग अपने घरों में जा नहीं पा रहे हैं। बाढ़ ने सभी कुछ तबाह कर दिया है। बाढ़ का पानी लगातार घट रहा है, जिसके चलते घरों एवं विद्यालयों में घुटनों तक मिट्टी की गाद भर जाने से लोगों के सामने एक नई समस्या पैदा हो गई है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 29 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य की सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। सरकार युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव के लिए सभी तरह के उपाय करने में जुटी हुई है। गोलाघाट में 1 एवं शिवसागर में 2 लोगों के शव बरामद हुए हैं। राज्य में मृतकों की कुल संख्या 78 हो गई है। बाढ़ प्रभावित सात जिलों में चराईदेव, गोलाघाट, शिवसागर, नगांव, बिश्वनाथ, जोरहाट एवं कामरूप (मेट्रो) जिला शामिल हैं। इन जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 551 गांवों की 300031 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 21523.08 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए वर्तमान में कुल 71 राहत शिविर एवं 30 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 101 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 16567 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 72210 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। राज्य सरकार ने 108 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 20 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पैलेट गन पर सरकार से जवाब मांगा

इस्तेमाल किए गए हथियारों और गोलियों का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका पर सुनवाई की है। कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और पैलेट गन से घायल हुए लोगों का इलाज कराने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) की ओर से इस्तेमाल किए गए हथियारों और गोलियों का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए। साथ ही, कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि पैलेट से घायल हुए पीड़ितों को पूरा मेडिकल इलाज दिया जाए।

- घायल हुए लोगों का इलाज कराने का निर्देश दिया

पूछा पैलेट गन के इस्तेमाल की एसओपी क्या है

गुरुवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि पैलेट गन के इस्तेमाल की एसओपी क्या है। कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी करते हुए इस पर जवाब मांगा। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग में संशोधन करने का निर्देश दिया। याचिका में पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच गुरुवार को रिटायर्ड इंटेलिजेंस ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर यशोवर्धन आजाद और दो अन्य लोगों (प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

भोजशाला से सटी जमीन नमाज के लिए दी

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को मध्य प्रदेश के धार में विवादित भोजशाला परिसर से सटी दरगाह के परिसर में शुक्रवार की नमाज अदा करने की इजाजत दे दी। कोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मुसलमानों को शुक्रवार को अपराह्न एक बजे से तीन बजे के बीच उस जगह पर नमाज पढ़ने की अनुमति दी जाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने इस मामले में सुनवाई की।

नेपाल में कांवड़ यात्रा के दौरान हिंसा, 2 की मौत

काठमांडू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात कांवड़ यात्रा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद गुरुवार को हिंसक हो गया। हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। एक व्यक्ति रविवार को मारा गया, जबकि एक अन्य की मौत इलाज के दौरान गुरुवार को हुई। गुरुवार को नेपाल के पूरे तराई-मधेश क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन हुए। पुलिस ने फायरिंग की और प्रशासन ने सुनसरी और सिराहा जिलों के कई हिस्सों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है। रविवार को कांवड़िये कोसी बैराज से जल लेकर आ रहे थे। इस दौरान डीजे और लाउडस्पीकर की तेज आवाज पर दूसरे समुदाय ने आपत्ति जताई। बहस से शुरू हुआ मामला हिंसक झड़प में बदल गया।

राम मंदिर चढ़ावा मुद्दे पर सपा की राजनीति निंदनीय : भाजपा

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि इस विषय पर की जा रही राजनीति बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार इस पूरे मामले को पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ संभाल रही है तथा सभी प्रक्रियाएं सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप आगे बढ़ रही हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को संसद परिसर में मीडियाकर्मियों से कहा कि जो लोग कभी यह दावा करते थे कि अयोध्या यहीं नहीं थी और भगवान श्रीराम का अस्तित्व ही नहीं था, वही आज इस मुद्दे पर चिंता जताने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यही वे लोग हैं जिनके शासन में कारसेवकों के खून से सरयू नदी लाल हुई थी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने अयोध्या का अपमान किया, उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई और सरयू को रक्तरंजित किया, यदि वही लोग आज चिंता व्यक्त कर रहे हैं तो यह चिंता नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक मंशा को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को संसद की कार्रवाही शुरू होने से पहले विपक्ष के सांसद प्रदर्शन करने लगे। वहीं, सपा सांसदों ने राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितता का आरोप लगाते हुए संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

राज्यसभा से भी लोक परीक्षा विधेयक पास

- विपक्ष ने सदन से किया वॉकआउट
- वंदे मातरम् से जुड़ा बिल भी पास

फोटोः एएनआई

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पेपर लीक से जुड़ा संशोधन बिल लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी पास हो गया। हालांकि जब सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह जवाब देने के लिए खड़े हुए, तब विपक्ष वॉकआउट कर गया। इससे पहले राज्यसभा में चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। वंदे मातरम् बिल राज्यसभा के बाद लोकसभा से भी पास हो गया है। राजद सांसद मनोज झा ने एनटीए को खत्म करने की मांग करते हुए कहा कि इसे बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाए।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस

बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का नोटिस सौंपा है। अनुराग का आरोप है राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ असंसदीय और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

दिल्ली-एनसीआर में दूरसंचार विभाग के पेंशनरों के लिए जीवन प्रमाण शिविर अगस्त में

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने दूरसंचार पेंशनरों की सुविधा के लिए अगस्त में दिल्ली-एनसीआर में जीवन प्रमाण शिविर आयोजित करने का कार्यक्रम जारी किया है।

इन शिविरों में पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने और संबंधित दस्तावेजों की मौके पर जांच की सुविधा मिलेगी।

ईडी ने 31 ठिकानों पर की छापेमारी

झारखंड कोयला घोटाला

- 160 करोड़ के म्यूचुअल फंड फ्रीज
- एक करोड़ की नकदी भी जब्त की

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय के रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने अवैध कोयला खनन, कोयला तस्करी, रंगदारी वसूली और धन शोधन से जुड़े मामलों में धनबाद जिले में एक बड़ा अभियान चला कर करोड़ों रुपए की चल अचल संपत्ति को जब्त कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय की जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई मंगलवार को धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत अनिल गोयल, एलबी सिंह, हरेंद्र चौहान और उनके सहयोगियों, रिश्तेदारों तथा उनकी संस्थाओं के 31 ठिकानों पर की गई। ईडी ने झारखंड पुलिस ने इन व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज विभिन्न प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की है, जिनमें अवैध खनन, चोरी के कोयले की तस्करी और अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। पुलिस इन मामलों में आरोप-पत्र भी दायर कर चुकी है। छापेमारी के दौरान ईडी ने मुख्य आरोपी एलबी सिंह के लगभग 160 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश को फ्रीज कर दिया और 1.02 करोड़ रुपए की गैर-हिसाबी नकदी जब्त की।

नीट परीक्षा विरोध प्रदर्शन मामले में आपराधियों को छोड़कर किसी पर नहीं होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली में नीट परीक्षा लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों पर आगे कोई कार्रवाई नहीं होगी। दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने गुरुवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी और कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत केवल आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को ही संरक्षण प्राप्त नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि 29 जुलाई तक नीट (यूजी) परीक्षा में कथित अनियमितताओं से संबंधित प्रदर्शनों के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने कुल 13 मामले दर्ज किए गए थे। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की मंजूरी के बाद गृह विभाग ने विज्ञप्ति जारी की है। इसमें कहा गया है, दिल्ली के अंतर्गत किसी भी पुलिस प्राधिकरण की ओर से इन प्रदर्शनों में शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध कोई प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, यह संरक्षण उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा जिनका आपराधिक रिकॉर्ड (क्रिमिनल एंटीसिडेंट्स) है। इसमें कहा गया है कि इन मामलों में गिरफ्तार या हिरासत में लिये गए व्यक्तियों के मामलों की समीक्षा होगी तथा रिहाई की प्रक्रिया शीघ्रतापूर्वक पूरी की जाएगी।

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान संपन्न

नईदिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। बिहार, गुजरात और मध्य प्रदेश की तीन विधानसभा सीटों- बांकीपुर, दतिया और मांजलपुर पर उपचुनाव के लिए गुरुवार को मतदान संपन्न हो गया है।

इनमें सबसे कम मतदान मांजलपुर उपचुनाव में शाम छह बजे तक 39.5 प्रतिशत दर्ज किया गया है। बिहार में राजधानी पटना की सबसे हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हुआ, जो शाम 6 बजे सम्पन्न हुआ।

उपचुनाव में 34.16 प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि मतदान के दौरान विवेकानंद मार्ग स्थित विकास रेजिडेंशियल पब्लिक स्कूल बूथ नंबर 19, 20 समेत चार बूथों पर भाजपा और जन सुराज के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी देखा गया। बांकीपुर उपचुनाव के लिए कुल 422 मतदान केंद्र बनाए थे। उपचुनाव में 25 उम्मीदवारों की किस्मत अब ईवीएम में बंद हो गई है।

प्रमुख उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नीरज कुमार सिन्हा, जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर और राष्ट्रीय जनता (राजद) की रेखा गुप्ता शामिल हैं।

बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम प्रबंध किए गए थे।

उपचुनाव के मतों की गिनती 03 अगस्त को की जाएगी, जिसके बार परिणाम सामने आ जाएगा। दिन बढ़ने के साथ मतदान के प्रतिशत में वृद्धि हुई। हालांकि, मतदाताओं में ज्यादा उत्साह देखने को नहीं मिला और बेहद सुस्त वोटिंग हुई।

दतिया (मध्य प्रदेश) उप चुनावः दतिया जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार दतिया विधानसभा उप निर्वाचन में कुल दो लाख 20 हजार 410 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसका प्रतिशत 71.44 प्रतिशत रहा। विधानसभा क्षेत्र में कुल एक लाख 16 हजार 116 पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया, जिसका प्रतिशत 74.09 रहा, जबकि एक लाख चार हजार 284 महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जिसका प्रतिशत 68.48 रहा तथा 10 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया, जिसका प्रतिशत 40 प्रतिशत रहा। गुजरात की वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शाम छह बजे तक 39.5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अपेक्षाकृत कम मतदान ने भाजपा और कांग्रेस दोनों की चिंता बढ़ा दी है। अब सभी की निगाहें 3 अगस्त को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। मांजलपुर विधानसभा सीट वर्ष 2008 के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई थी। तब से इस सीट पर लगातार भारतीय जनता पार्टी का कब्जा रहा है।

पिछले तीन चुनावों में भाजपा के योगेश पटेल ने जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा ने शहर के दूसरे हिस्से में रहने वाले सतीश पटेल को उम्मीदवार बनाया, जबकि कांग्रेस ने इसी विधानसभा क्षेत्र के निवासी और पूर्व मंत्री भीखाभाई रबारी पर भरोसा जताया।

दिल्ली सरकार जल्द लाएगी दिल्ली लैंड रिकॉर्ड बिल 2026, संपत्तियों का बनेगा प्रॉपर्टी आधार कार्ड

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार जल्द दिल्ली लैंड रिकॉर्ड बिल 2026 लाने जा रही है। इस कानून के लागू होने के बाद पूरी दिल्ली की प्रत्येक संपत्ति का वैज्ञानिक सर्वे कर उसका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक संपत्ति के लिए एक विशिष्ट प्रॉपर्टी आधार कार्ड बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि जिस प्रकार आधार कार्ड ने प्रत्येक नागरिक की पहचान को एक विश्वसनीय स्वरूप प्रदान किया है, उसी प्रकार अब दिल्ली की प्रत्येक संपत्ति की भी एक प्रमाणिक और सुरक्षित डिजिटल पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इससे राजधानी में संपत्तियों के रिकॉर्ड पारदर्शी, व्यवस्थित और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनेंगे। इस विधेयक को लेकर सरकार अलग से विधानसभा का विशेष सत्र भी बुलाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार पहले चरण में केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत 30 ग्रामीण गांवों में आधुनिक तकनीक और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सहयोग से ड्रोन सर्वे कर स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड तैयार कर चुकी है। यह परियोजना सफल पायलट के रूप में सामने आई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की संपत्तियों का प्रमाणिक रिकॉर्ड तैयार हुआ है और भविष्य में भूमि संबंधी विवादों की संभावना काफी कम होगी। इसी अनुभव को आधार बनाते हुए अब दिल्ली सरकार पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर भूमि एवं संपत्ति का सर्वे कराने जा रही है। प्रस्तावित दिल्ली लैंड रिकॉर्ड बिल 2026, के तहत केवल गांव ही नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक आवासीय, व्यावसायिक एवं अन्य प्रकार की संपत्तियों का भी विस्तृत सर्वे किया जाएगा। प्रत्येक भवन के प्रत्येक तल तक का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा।

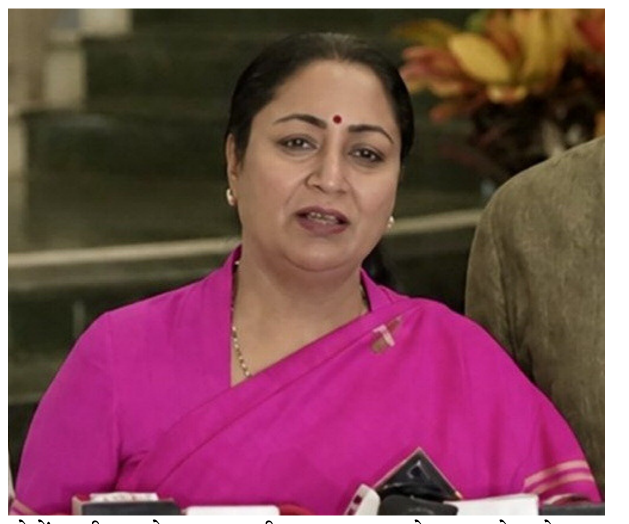

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड पूरी तरह अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली पर आधारित है। इसके लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग की तकनीकी विशेषज्ञता और ड्रोन सर्वेक्षण का उपयोग किया गया है। इसी तकनीक को अब पूरे दिल्ली में लागू कर प्रत्येक संपत्ति का प्रॉपर्टी आधार कार्ड तैयार किया जाएगा, जिससे राजधानी में भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन का एक नया और आधुनिक अध्याय प्रारंभ होगा। वहीं, दिल्ली लैंड रिकॉर्ड बिल 2026, मंत्रियों के समूह की विस्तृत समीक्षा के बाद स्वीकृति की प्रक्रिया में है। इस कानून के माध्यम से दिल्ली में प्रत्येक संपत्ति की को यूनिक प्रॉपर्टी आईडी के रूप में चिह्नित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशकों से व्यवस्थित भूमि रिकॉर्ड के अभाव में लोगों को स्वामित्व प्रमाणित करने, खरीद-बिक्री, उत्तराधिकार, लोन, नक्शा स्वीकृति और न्यायालयों में लंबित विवादों जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद संपत्तियों का प्रमाणिक डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा, जिससे रिकॉर्ड संबंधी अस्पष्टता दूर होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और भूमि विवादों में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है। यह पहल केवल रिकॉर्ड तैयार करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य की डिजिटल शासन व्यवस्था की मजबूत नींव भी बनेगी। आधुनिक तकनीक, ड्रोन सर्वेक्षण और डिजिटल मैपिंग के माध्यम से तैयार होने वाला यह रिकॉर्ड नागरिकों को अधिक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक होगा।

संक्षिप्त समाचार

पराली जलाने पर रोक के लिए सीएक्यूएम ने ड्रोन से निगरानी पर दिया जोर

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में हर साल धान कटाई के मौसम के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी के लिए ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया है। आयोग ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को निर्देश दिया है कि वे आगामी धान कटाई सीजन से पहले ड्रोन आधारित निगरानी व्यवस्था तैयार करें। सीएक्यूएम ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि ड्रोन तेज तैनाती, उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरों और रियल-टाइम वीडियो के माध्यम से पराली जलाने की घटनाओं का पता लगाने में मदद करेंगे। इनसे जलती हुई आग, धुएं के गुबार और प्रभावित खेतों की पहचान की जा सकेगी। ड्रोन से प्राप्त जियो-टैग्ड फोटो और वीडियो कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण सबूत के रूप में इस्तेमाल किए जा सकेंगे। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि ड्रोन सर्वे में धान की खेती वाले क्षेत्रों, पहले से चिह्नित हॉटस्पॉट गांवों और आग लगने की अधिक संभावना वाले इलाकों को प्राथमिकता दी जाए। राज्यों को पहले से ड्रोन उड़ान योजनाएं तैयार करने और प्रभावित खेतों की पहचान के लिए उन्हें भू-अभिलेख से जोड़ने को कहा गया है। सीएक्यूएम ने बताया कि ड्रोन सर्वे दिन के समय किए जाएं, लेकिन दोपहर 3 से रात 9 बजे के बीच विशेष ध्यान दिया जाए, क्योंकि इस अवधि में सैटेलाइट निगरानी से बचने के लिए पराली जलाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि ड्रोन से रिकॉर्ड किए गए सभी वीडियो को संबंधित फसल कटाई सीजन के बाद तीन महीने तक सुरक्षित रखा जाए। इसके अलावा ड्रोन निगरानी डेटा के विश्लेषण और रिपोर्टिंग के लिए केंद्रीय डैशबोर्ड बनाने को कहा गया है। ड्रोन की लाइव फीड और रिकॉर्डिंग सीएक्यूएम को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वास्तविक समय में निगरानी और कार्रवाई संभव हो सके। सीएक्यूएम ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों से इन निर्देशों के पालन की स्थिति पर 14 अगस्त 2026 तक एक्शन टेकन रिपोर्ट जमा करने को कहा है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन पर रोक नहीं, सोशल मीडिया की अफवाह भ्रामक : दिल्ली पुलिस नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन के लिए बंद किए जाने संबंधी सोशल मीडिया पर प्रसारित दावों को पूरी तरह से भ्रामक और तथ्यहीन बताते हुए स्पष्ट किया है कि जंतर-मंतर शांतिपूर्ण एवं विधिवत अनुमति प्राप्त प्रदर्शनों के लिए अधिकृत स्थल बना हुआ है। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को जारी स्पष्टीकरण में कहा कि सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई जा रही है कि जंतर-मंतर को प्रदर्शनकारियों के लिए बंद कर दिया गया है या वहां ताला लगा दिया गया है। पुलिस ने इन दावों को पूरी तरह गलत, भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। पुलिस के अनुसार उच्चतम न्यायालय के आदेश तथा उसके अनुपालन में जारी दिल्ली पुलिस की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत जंतर-मंतर पर एक समय में अधिकतम एक हजार लोगों को प्रदर्शन की अनुमति दी जा सकती है।दिल्ली पुलिस ने कहा कि प्रदर्शन की अनुमति संबंधित आयोजकों या व्यक्तियों द्वारा औपचारिक आवेदन किए जाने के बाद सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से दी जाती है। इसके लिए निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे अपुष्ट या भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें और न ही उन्हें साझा करें। किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करें।

दिल्ली भाजपा का आआपा कार्यालय पर प्रदर्शन, पेपर लीक पर दोहरे मापदंड का आरोप

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में कैनिंग लेन स्थित आम आदमी पार्टी (आआपा) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों को लेकर पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की बर्खास्तगी की मांग की। प्रदर्शन के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर मंदिर मार्ग थाने पहुंचाया, जहां करीब एक घंटे बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। प्रदर्शन में सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज, राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, योगिता सिंह, मोहनलाल गिहारा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। युवा मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और पूर्वांचल मोर्चा के हजारों कार्यकताओं ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी पर केंद्र और पंजाब में अलग-अलग रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में पेपर लीक के मुद्दे पर नैतिकता की बात करने वाली आआपा पंजाब में हुए कथित पेपर लीक मामलों पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि पंजाब में टीईटी, 12वीं अंग्रेजी, फामेर्सी ऑफिसर और अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के आरोप लगे हैं, लेकिन सरकार जवाबदेही तय नहीं कर रही। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र में इस्तीफा, पंजाब में संरक्षण यही है आआपा का दोहरा चरित्र। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा क्रांति के बजाय पेपर लीक क्रांति बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मांग की है कि पंजाब के शिक्षा मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और छात्रों से माफी मांगी जाए।

प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि पंजाब में पेपर लीक के मुद्दे पर पहले चुप्पी और फिर इनकार करने की कोशिश से युवाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम आदमी पार्टी का दोहरा रवैया उजागर हुआ है।

सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने कहा कि संसद में पेपर लीक पर चर्चा से विपक्ष बचता रहा, जबकि पंजाब के मामलों पर भी आआपा नेतृत्व ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

सांसद कमलजीत सहरावत ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों में पंजाब में कई पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं, लेकिन राज्य सरकार उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी गलती स्वीकार किए बिना सुधार संभव नहीं है। सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि फामेर्सी परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में भी आम आदमी पार्टी की चुप्पी सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए एंटी-पेपर लीक कानून का विपक्ष ने विरोध किया, जबकि पंजाब के मामलों में जवाबदेही से बचा जा रहा है।

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने भी पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि पेपर लीक के मुद्दे पर पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लिया जाना चाहिए। भाजपा ने आआपा को चेतावनी दी कि जब तक पंजाब में कथित पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय नहीं होती और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उसका आंदोलन जारी रहेगा।

एनटीए पर परीक्षा परिणाम बदलने का आरोप, नीट अभ्यर्थी दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। नीट-2026 के लिए परीक्षा में बैठने वाले एक छात्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने उसके परीक्षा परिणाम में 24 घंटे के अंदर तीन बार बदलाव किया। छात्र का आरोप है कि 24 घंटे के अंदर उसका स्कोर 650 से घटाकर 500 और बाद में 135 कर दिया गया। याचिका में छात्र ने कहा है कि एनटीए की वेबसाइट पर दर्शाई गई ओएमआर शीट उसके द्वारा नहीं भरी गई है। याचिका में छात्र ने अपने असली फिजिकल ओएमआर आंसर शीट के संरक्षण की मांग की है और उसके स्वतंत्र वेरिफिकेशन की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील विनीत जिंदल ने कहा है कि छात्र की परीक्षा से संबंधित सभी रिकॉर्ड उपलब्ध कराए जाएं, ताकि स्वतंत्र वेरिफिकेशन किया जा सके। याचिकाकर्ता छात्र ने नीट 2026 की 21 जून को दोबारा हुई परीक्षा में हिस्सा लिया था। जब उसने प्रोविजनल और फाइनल आंसर की का मिलान किया, तो उसने अनुमान लगाया कि उसे 620 अंक मिलेंगे। जब 16 जुलाई को रिजल्ट प्रकाशित किया

ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर आआपा पार्षदों का एमसीडी सदन में प्रदर्शन

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित सदन की मासिक बैठक में आम आदमी पार्टी (आआपा) के पार्षदों ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पार्षदों ने हाथों में पोस्टर लेकर नारेबाजी की और ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों को होने वाले संभावित नुकसान को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा।

एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि यदि ई-20 पेट्रोल पर्यावरण के लिए बेहतर है तो सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या देश में चल रहे सभी वाहन इसके अनुकूल हैं। उन्होंने सवाल किया कि ई-20 के इस्तेमाल से यदि वाहनों को नुकसान होता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की इस नीति से आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। नारंग ने दावा किया कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण वाहनों की माइलेज कम हो रही है और लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

नारंग ने दिल्ली में जलभराव के मुद्दे को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में जलभराव पर चर्चा की मांग के बीच सरकार ने आनन-फानन में एजेंडा पारित कर बैठक स्थगित कर दी। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली की जनता से जुड़े सवालों का जवाब देने से बच रही है। नारंग ने कहा कि बारिश के बाद दिल्ली की कई सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं, जबकि उन्होंने जलभराव की समस्या खत्म करने का दावा किया था। आआपा के एमसीडी सह-प्रभारी प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार नहित से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाने से बचती है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, ई-20 और अन्य जनसरोकार के मुद्दे सामने आते ही सरकार उनसे भागने लगती है। उन्होंने दावा किया कि ई-20 पेट्रोल के कारण लोगों की गाड़ियां खराब हो रही हैं और माइलेज घटने से वाहन मालिकों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब पार्षद जनता की समस्याओं को सदन में उठाते हैं तो उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया जाता है।

प्रवीण कुमार ने कहा कि सदन में आआपा पार्षद ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का मुद्दा उठाया तो बैठक को भंग कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए और जनता तथा पार्षदों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को आगे भी मजबूती से उठाती रहेगी।

एमसीडी सह-प्रभारी प्रीति डोगरा ने कहा कि ई-20 को लेकर देशभर में लोगों के बीच चिंता है। उन्होंने बताया कि ई-20 के विरोध में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में एक अगस्त को आंदोलन किया जाएगा और लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की गई है।

डीयू को दुनिया के 200 सर्वोच्च विश्वविद्यालयों में शामिल करना लक्ष्यः कुलपति

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद (ईसी) की 1283 वीं बैठक का आयोजन गुरुवार को कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में जीरो आवर के दौरान ईसी सदस्यों ने अनेक मुद्दों पर गहन चर्चा की। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में अनुबंध आधार पर लगे गैर शिक्षण कर्मचारियों को निकालने की कोई भी योजना विचाराधीन नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि अगले 5 वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय को दुनिया के सर्वोच्च 200 विश्वविद्यालयों में शामिल करने का लक्ष्य रखा हैं। प्रो. योगेश सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि इस बार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2027 में डीयू ने वैश्विक स्तर पर 322वीं ग्लोबल रैंक हासिल की है, जबकि 2022 में जारी की गई क्यूएस रैंकिंग में दिल्ली विश्वविद्यालय 521-530 के ब्रैकेट में था। उन्होंने कहा कि 4 वर्षों में 199 अंकों का उछाल बड़ी बात है, जिसके लिए डीयू के सभी शिक्षक, विद्यार्थी, अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। कुलपति ने कहा कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में डीयू का कुल स्कोर 43.8 जो 2022 में जारी रैंकिंग में 23.5 था। उन्होंने बताया कि भारतीय विश्वविद्यालयों में डीयू पहले स्थान पर है। बैठक के आरंभ में डीयू कुलसचिव डॉ विकास गुप्ता ने पिछली ईसी बैठक के मिनट्स और एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के दौरान अकादमिक परिषद में पारित शैक्षणिक मुद्दों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। ईसी बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय, उसके द्वारा संचालित हॉल और हॉस्टल, प्रोविडेंट फंड और राष्ट्रीय पेंशन योजना के वार्षिक खातों पर विचार करना और उन्हें मंजूरी दी गई। अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ-2022) के तहत विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के सहयोग से सेमेस्टर अवे प्रोग्राम शुरू करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही वेतन सुरक्षा के तहत बनाई गई कमेटी की सिफारिशों को डीयू ईसी ने मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके तहत उन अलग-अलग कॉलेजों के शिक्षकों के वेतन सुरक्षा के अनुरोध पर विचार किया जाएगा, जिन्हें विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों में स्थायी तौर पर नियुक्त होने से पहले, सही प्रक्रियाओं और नियमों का पालन करते हुए अस्थायी तौर पर नियुक्त किया गया था।

आआपा ने मच्छर जनित गंभीर बीमारियों की रोकथाम पर चर्चा बाधित की : महापौर

नई दिल्ली, 30 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक के उपरांत आम आदमी पार्टी के पार्षदों के रवैये की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सदन में दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषय मच्छर जनित डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं जल जनित बीमारियों की रोकथाम पर विस्तृत चर्चा निर्धारित थी, लेकिन आआपा के पार्षदों ने हंगामा कर इस महत्वपूर्ण चर्चा को बाधित कर दिया।

महापौर ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य और जनहित से जुड़े गंभीर विषयों पर सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए थी, तब आआपा ने राजनीतिक हंगामा कर कार्यवाही को अवरुद्ध करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आआपा बार-बार ऐसे मुद्दों को लेकर सदन में व्यवधान उत्पन्न करती है जिनका दिल्ली नगर निगम के कार्यक्षेत्र से कोई संबंध नहीं होता, जबकि नागरिकों से जुड़े वास्तविक विषयों पर चर्चा से बचती है।

महापौर ने बताया कि दिल्ली नगर निगम द्वारा किए जा रहे व्यापक जनस्वास्थ्य अभियानों एवं रोकथाम संबंधी उपायों के परिणामस्वरूप इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी नहीं चाहती थी कि सदन में इस विषय पर रचनात्मक चर्चा हो तथा भविष्य में इन बीमारियों की रोकथाम के लिए और अधिक प्रभावी रणनीति बनाई जाए। प्रवेश वाही ने कहा कि आआपा के पार्षद अक्सर जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक चर्चा से बचते हैं तथा सदन की कार्यवाही के दौरान अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न करते हैं। इसके बावजूद नगर निगम ने नागरिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श जारी रखा तथा अनेक जनहितकारी प्रस्तावों को पारित किया। उन्होंने जानकारी दी कि सामान्य सभा की बैठक में जनकपुरी क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़े दो कूड़े के ढलावों को हटाने तथा छोटी सब्जी मंडी, जनकपुरी में उपयोग में नहीं आ रहे एक सार्वजनिक शौचालय को हटाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया। इन निर्णयों से स्थानीय नागरिकों को अनावश्यक असुविधा से राहत मिलेगी तथा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुचारु एवं व्यवस्थित होगी।

महापौर प्रवेश वाही ने कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत निगमायुक्त को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि कांवड़ मार्गों एवं कांवड़ शिविरों के आसपास संचालित सभी अवैध कच्चे एवं पक्के मीट की दुकानों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए उनकी यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुगम रूप से संपन्न हो सके। महापौर जानकारी दी कि आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में एमसीडी एवं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के मध्य प्रतिदिन 800 मीट्रिक टन नए ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल दिल्ली को कूड़ा मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी तथा राजधानी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाएगी।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ, स्वस्थ एवं विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए विकास कार्य निरंतर गति से आगे बढ़ते रहेंगे तथा किसी भी प्रकार के राजनीतिक व्यवधान को जनहित के कार्यों में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा।

महापौर प्रवेश वाही ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए अपने घरों एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखें, जलभराव न होने दें तथा नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे जनस्वास्थ्य अभियानों में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

भविष्यफल

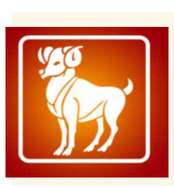

मेष- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

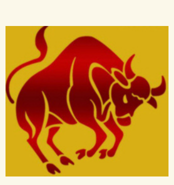

वृष- बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

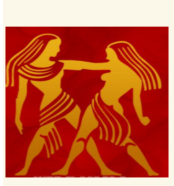

मिथुन- कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क- नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह- कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या- भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

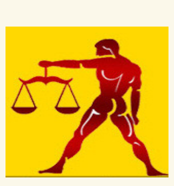

तुला- योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक- व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु- लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

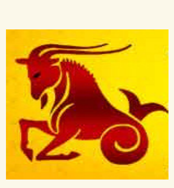

मकर- सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

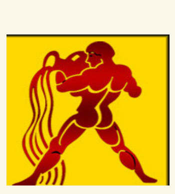

कुंभ- मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

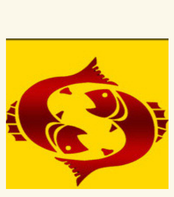

मीन-कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

समर्पण से पूर्व हसीना को किया जाएगा गिरफ्तार

कानून मंत्री ने किया साफ

ढाका, (एजेंसी) । बांग्लादेश के कानून मंत्री एम. असदुज्जमां ने गुरुवार को कहा कि बांग्लादेश की अपदस्थपीएम शेख हसीना के भारत से लौटने पर तुरंत गिरफ्तार किए जाने की संभावना है और उन्हें सीधे कोर्ट में पहुंचकर आत्मसमर्पण करने का मौका नहीं मिलेगा। यह बयान हसीना के एक उस साक्षात्कार के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अपनी जान को खतरा होने के बावजूद वह दिसंबर तक अपने देश लौटने के लिए दृढ़ हैं।

उन्होंने कहा कि हो सकता है कि मेरी हत्या कर दी जाए। हो सकता है कि मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए। हो सकता है कि मुझे जेल भेज दिया जाए... मुझे किस्मत के बारे में पूरी जानकारी है। फिर भी, मैं वापस जाना चाहती हूं, क्योंकि मेरे लोग मुझे बुला रहे हैं। जुलाई की शुरुआत में उनके कुछ और इंटरव्यू सामने आए थे, जिनसे पता चला था कि वह पार्टी सहयोगियों संग इस साल आखिर तक बांग्लादेश लौटने की संभावना पर चर्चा कर रही हैं।

असदुज्जमां ने कहा कि हसीना (78) को लौटने का हक है, लेकिन कानून अपना काम करेगा और हम कानून का उल्लंघन करते हुए कुछ भी नहीं करेंगे।

दमियाता पोर्ट पर ड्रोन अटैक, गैस के दो जहाजों में आग

ईरान-यूएस जंग: मिस्र पर पहली बार हमला, ईरान पर लगे आरोप

जंग और बढ़ी तो दुनिया की समुद्री शिपिंग,एनर्जी सप्लाई हो सकती है प्रभावित

तेहरान/ (एजेंसी)

ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग अब मिस्र तक पहुंच गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक मिस्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को दमियाता पोर्ट पर दो गैस टैंकरों में लगी आग हादसा नहीं, बल्कि ड्रोन हमले का नतीजा थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के नैचुरल गैस स्टोरेज टैंकर एनरगोस विंटर को निशाना बनाया, जिसके बाद आग पास में खड़े दूसरे टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई। हालांकि, दमकल टीम ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया और कोई हताहत नहीं हुआ। इस हमले के पीछे ईरान का हाथ बताया जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दो ईरानी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि हमले का मकसद यह मैसेज देना था कि अगर जंग और बढ़ी तो दुनिया की समुद्री शिपिंग और एनर्जी सप्लाई भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

यूएस के हमले के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई, 3 एफ-35 लड़ाकू विमान तबाह

तेहरान। ईरान ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन स्थित अल-अजराक एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर अमेरिका के तीन एफ-35 लड़ाकू विमानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरान की सरकारी मीडिया आईआरजेबी के मुताबिक, यह हमला केशम द्वीप पर अमेरिकी हवाई हमले के जवाब में किया गया। हालांकि, अमेरिका की ओर से भी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। क्‍शेम द्वीप पर हमले के बाद कार्रवाई का दावा- आईआरजीसी के अनुसार, यह हमला अमेरिका की उस सैन्य कार्रवाई के जवाब में किया गया जिसमें बुधवार रात केशम द्वीप पर दो रिहायशी मकानों को बंकर बस्टर बमों से निशाना बनाया गया। ईरान का आरोप है कि इस हमले में एक ही परिवार के तीन लोगों, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। जबकि दो अन्य बच्चे घायल भी हुए। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि उसने ईरान में आईआरजीसी के कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। सेंटकॉम के अनुसार, यह कार्रवाई अमेरिकी सैनिकों पर कथित ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के जवाब में की गई।

ईरान युद्ध से जुड़े निर्णय ट्रम्प ले रहे: नेतन्याहू

वाशिंगटन। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान युद्ध से जुड़े सभी निर्णय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही ले रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने हाल ही में व्हाइट हाउस में हुई बैठक के बाद ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू करने के लिए श्री ट्रंप पर दबाव बनाने संबंधी रिपोर्टों को खारिज कर दिया। ट्रम्प ने हालांकि ईरान के साथ कूटनीतिक समाधान की संभावनाओं पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने एबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मुझे नहीं पता कि यह असंभव है या नहीं, लेकिन मैं ईरान की कार्यशैली को लेकर आशंकित हूं। वे हमेशा झूठ बोलते हैं, धोखाधड़ी करते हैं और समय बीतने का इंतजार करते हैं।

सावन माह के पहले दिन से सालाना कांवड़ यात्रा शुरू

उत्तराखंड के हरिद्वार में सावन के पवित्र महीने के पहले दिन गुरुवार को कांवड़िए पवित्र गंगाजल लेकर जा रहे हैं। सावन की शुरुआत के साथ ही गुरुवार से सालाना कांवड़ यात्रा शुरू हो गई । हरिद्वार चार करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है और सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं, जिसमें पहली बार साइबर कमांडो की तैनाती भी शामिल है।

कायराना हमला: बलूचिस्तान में छह अगवा मजदूरों की बीएलए ने की हत्या

खैबर पख्तूनख्वां / (एजेंसी)

बलूचिस्तान में आतंकवादी हिंसा एक बार फिर से खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। तुर्बत के पास केच जिले में अगवा किए गए छह निर्दोष मजदूरों के शव बरामद होने के साथ ही क्षेत्र में आतंक का एक नया अध्याय खुल गया है। सुरक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से इस कायराना हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित आतंकी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पर डाली है। यह खूनी खेल 27 जुलाई को केच जिले के क्लाटुक इलाके में शुरू हुआ। हथियारबंद आतंकियों के एक समूह ने विकास कार्यों में लगे मजदूरों के एक काफिले को रास्ते में रोक लिया। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी जिले के निवासी जावेद नाम के एक मजदूर को मौके पर ही गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने छह अन्य मजदूरों को जबरन अगवा कर लिया और अज्ञात स्थान की ओर ले गए।

कई दिनों तक इन बंधकों का कोई सुराग नहीं मिल सका। और अब तुर्बत के पास एक दूरदराज और सुनसान इलाके से इन छह मजदूरों के शव बरामद किए गए। शवों की हालत देखकर साफ था कि उन्हें निर्ममता से मार दिया गया था। सुरक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मृतकों में पंजाब के चार और खैबर पख्तूनख्वा के दो मजदूर शामिल थे।

कोई पाक कश्मीर नहीं, हमेशा रहेगा भारत का अभिन्न अंग

पाक अधिकृत कश्मीर वाली रिपोर्ट पर न्यूयॉर्क टाइम्स को भारतीय दूतावास की दो टूक

वॉशिंगटन ,(एजेंसी)

अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने अमेरिकी अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' (एनवायटी) की पीओके में हिंसा पर की गई रिपोर्ट की आलोचना की है। रिपोर्ट में इलाके को पाकिस्तानी कश्मीर कहे जाने पर भारतीय दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे गुमराह करने वाला और गलत बताया है।

एनवायटी ने अपनी रिपोर्ट में पीओके में कथित विधानसभा चुनाव के दौरान हिंसक झड़पों का जिक्र किया गया था, जिसका शीर्षक था- ''स्थानीय चुनाव के लिए वोटिंग शुरू होते ही पाकिस्तानी कश्मीर में झड़पें।'' अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने हेडलाइन के शब्दों पर आपत्ति जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स की हेडलाइन गुमराह करने वाली और गलत है। कोई पाकिस्तानी कश्मीर नहीं है और सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर है।

दूतावास ने आगे लिखा, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहे हैं, हैं और हमेशा रहेंगे। पाक ने इन इलाकों के कुछ हिस्सों पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर रखा है और अब वह कब्जे वाले इलाकों के लोगों के खिलाफ हिंसा का इस्तेमाल कर रहा है।

मोदी सरकार की खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं से छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात, किसानों और युवाओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली/रायपुर/(ब्यूरो)। केंद्र सरकार की खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं के तहत छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात मिली है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा संसद में उठाए गए मुद्दों के बाद केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने लोकसभा में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के विस्तार और कृषि आधारित बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 10 आकांक्षी एवं जनजातीय बहुल जिलों में 383 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम स्थापित किए जाएंगे। इन इकाइयों के लिए ऋण स्वीकृत किया गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। योजना के अंतर्गत राजनांदगांव में 77, कोरबा में 76, कांकेर में 73, बस्तर में 59, बीजापुर में 32, कोंडागांव में 30, महासमुंद में 17, दंतेवाड़ा में 11, सुकमा में सात और नारायणपुर में एक इकाई स्थापित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत बेमेतरा जिले में कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर के अंतर्गत करीब 68.87 करोड़ रुपये लागत की परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने 10 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है।

वहीं, रायपुर स्थित इंडस बेस्ट मेगा फूड पार्क परियोजना को भी बड़ी सहायता मिली है। लगभग 96.58 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 39.57 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया है। परियोजना क्षेत्र की 31.6 एकड़ लीज योग्य भूमि में से 24.1 एकड़ भूमि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को आवंटित की जा चुकी है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विस्तार से फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान में कमी आएगी, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन होगा और किसानों की आय बढ़ाने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

टेक्नोलॉजी में देरी का मतलब हार हर पुर्जा यहां बने: अमरप्रीत सिंह

भविष्य के युद्ध को भारत तैयार, दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत

नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत ड्रोन एंड रोबोटिक्स मंथन 3.0 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए घरेलू उद्योग और नवाचार क्षेत्र के साथ मिलकर काम करने का एक स्पष्ट और दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत किया। वायु सेना प्रमुख का मानना है कि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए अब और तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है।

आधुनिक युद्ध में कम लागत वाले मानव रहित सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भारत के रक्षा क्षेत्र को तेजी से बदलती तकनीकों के साथ कदम मिलाकर चलना होगा, क्योंकि थोड़ी-सी भी देरी या हिचकिचाहट भविष्य में भारी नुकसान का कारण बन सकती है। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि परिचालन जरूरतों को स्पष्ट रूप से तय करना उपयोगकर्ता यानी वायु सेना की जिम्मेदारी है। उन्होंने हाल ही में स्थापित डायरेक्टोरेट ऑफ एयरोस्पेस डिजाइन को स्टार्टअप, उद्योग व इनोवेटर्स के साथ सीधे संवाद स्थापित करने वाली अहम कड़ी बताया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में पीएचडी व एमएससी (कृषि) प्रवेश परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

चित्रकूट/ (ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीएचडी एवं एमएससी (कृषि) पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं गुरुवार को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुईं। इस दौरान कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय में कृषि, ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन, विज्ञान, कला और अभियांत्रिकी संकायों के विभिन्न विषयों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। वहीं कृषि संकाय के अंतर्गत एग्रोनॉमी, बायोकेमिस्ट्री, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, हॉर्टिकल्चर (सब्जी विज्ञान) एवं मृदा विज्ञान विषयों में एमएससी (कृषि) की प्रवेश परीक्षा भी सम्पन्न हुई।

निरीक्षण के दौरान कुलगुरु के साथ कुलसचिव प्रो. आञ्जनेय पांडेय और प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो. हरीशंकर कुशवाहा मौजूद रहे। कुलगुरु ने अभियांत्रिकी, कला एवं विज्ञान संकायों के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन की जानकारी ली और पारदर्शिता व अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रवेश परीक्षा के संचालन के लिए विज्ञान संकाय में प्रो. सीताशरण गौतम, अभियांत्रिकी संकाय में इंजी. अश्विनी दुग्गल तथा कला संकाय में प्रो. कपिल देव मिश्रा को परीक्षा अधीक्षक बनाया गया था। प्रवेश परीक्षा समिति में प्रो. साधना चौरसिया, प्रो. नीलम चौरे, डॉ. संतोष अरसिया, प्रो. ललित कुमार सिंह एवं प्रो. चन्द्र प्रकाश गूजर सहित अन्य सदस्यों ने परीक्षा संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो. हरीशंकर कुशवाहा ने बताया कि सभी परीक्षाएं विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न हुई हैं। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा का परिणाम शीघ्र ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

वश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों से काउंसिलिंग एवं प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी आगामी सूचनाओं के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने की अपील की है।

आरक्षण हटाने की मांग संविधान की भावना के खिलाफ, ऐसे तत्वों पर होगी सख्त कार्रवाई : रामदास आठवले

नई दिल्ली/(ब्यूरो)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री तथा रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे आरक्षण हटाओ अभियान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि आरक्षण समाप्त करने की मांग भारतीय संविधान की मूल भावना और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों के खिलाफ कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामदास आठवले ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि पिछले कुछ दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संगठित रूप से आरक्षण समाप्त करने की मांग की जा रही है। यह संविधान प्रदत्त अधिकारों पर प्रश्नचिह्न लगाने का प्रयास होने के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करने वाली प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स और प्लेटफॉर्म के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई का आग्रह करेंगे, जो आरक्षण विरोधी अभियान को बढ़ावा दे रहे हैं।

आठवले ने कहा कि भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आरक्षण का अधिकार दिया। इसके बाद मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, जिससे सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को समान अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय के दायरे को और व्यापक बनाया। यह निर्णय आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने देशवासियों से संविधान, सामाजिक समरसता और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आदर्शों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि समाज को विभाजनकारी और भ्रामक अभियानों से दूर रहना चाहिए।

बस्तर के मांझी-चालकी बने खास मेहमान, राष्ट्रपति ने खुद परोसा भोजन

नई दिल्ली/(हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से आए 209 सदस्यीय जनजातीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, मांझी-चालकी तथा अन्य जनजातीय प्रतिनिधियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं अतिथियों को भोजन परोसा और भविष्य में बस्तर दशहरा तथा बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राष्ट्रपति भवन पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागी, परगना मांझी, मांझी, चालकी, पद्मश्री सम्मानित विभूतियां, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

राष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोककलाओं, पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था और बस्तर पंडुम के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है, जिसने बस्तर की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ पर्यटन और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा देंगे।

मुर्मु ने कहा कि सरकार के प्रयासों और स्थानीय जनभागीदारी के कारण बस्तर शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने शिक्षा, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए प्रसन्नता का विषय है।

उन्होंने मांझी और चालकी की भूमिका को समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु बताया।

मुख्यमंत्री साय के आग्रह पर राष्ट्रपति ने भविष्य में बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय को विशेष रूप से स्पर्श करता है। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की काष्ठ निर्मित प्रतिमा और बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बस्तर से आत्मीय जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह कई बार राष्ट्रपति भवन आए हैं लेकिन पहली बार यहां बस्तर की पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा में इतने बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखकर उन्हें विशेष प्रसन्नता हुई।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति को बस्तर की लगभग 300 वर्ष पुरानी प्रेमगाथा पर आधारित झिटकू-मिटकी की कलाकृति भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति भवन का भ्रमण भी किया और देश की लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक विरासत से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं।

गौमूत्र को लेकर कांग्रेस के बयान पर सुधांशु त्रिवेदी का पलटवार, बोले- अमेरिका में हैं अंतरराष्ट्रीय पेटेंट

नई दिल्ली/(हि.स.)। सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने से जुड़े सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर राज्य सभा में हुई चर्चा के दौरान गौमूत्र का मुद्दा भी राजनीतिक बहस का विषय बन गया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति का अपमान करने का आरोप लगाया। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पेपर लीक प्रिवेंशन बिल और नीट जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस ने बिना किसी कारण गौमूत्र का मुद्दा उठाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अवसर मिलते ही हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति का अपमान करने का प्रयास करता है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि गौमूत्र के औषधीय गुणों को लेकर अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय पेटेंट दर्ज हैं। उन्होंने कहा मैकाले और मार्क्स का मल जिनके दिमाग में भरा है उन्हें पता होना चाहिए कि यूएस पेटेंट

6410059 और यूएस पेटेंट 6896907 में गौमूत्र डिस्टिलेट (आसव) के ऐसे फार्मास्यूटिकल उपयोगों का उल्लेख है, जिनमें एंटीबायोटिक, एंटी-फंगल और कैंसर रोधी दवाओं की प्रभावशीलता तथा शरीर में उनके अवशोषण को बढ़ाने की बात कही गई है। उन्होंने इसे बायो-एन्हांसर के रूप में भी बताया। त्रिवेदी ने यह भी कहा कि विज्ञान की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को तथ्यों के आधार पर इस विषय को समझना चाहिए और राजनीतिक बयानों के पीछे की मंशा को भी पहचानना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सुधांशु त्रिवेदी का यह बयान कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी को गौमूत्र विशेषज्ञ कहे जाने के बाद आया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को गौमूत्र से आपत्ति है, उन्हें इसके वैज्ञानिक अध्ययनों और अंतरराष्ट्रीय पेटेंट की जानकारी होनी चाहिए।

संपादकीय

बेरोजगारों को संबल

देश में युवा मन के सपनों और भविष्य की चिंताओं के मद्देनजर हरियाणा सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। कहीं न कहीं दिल्ली समेत देश के अन्य राज्यों में हुए छात्र आंदोलन के बाद आज युवा सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं। इसी कड़ी में हरियाणा की नायब सरकार ने सीईटी पास युवाओं की सुध ली है। जाहिर है सभी सीईटी पास युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। कई युवा परीक्षा पास करने के बाद भी वर्षों तक बेरोजगार बने रहते हैं। एक्शन में आई हरियाणा सरकार ने ऐसे पांच लाख चालीस हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं की पहचान की है, जिन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद रोजगार नहीं मिला। इसके बाद ह्यविकसित भारत विजन 2047 के तहत रोजगार, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा कौशल विकास मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर बल दिया कि कौशल विकास योजनाओं को सिर्फ प्रशिक्षण तक ही सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें सीधे रोजगार से भी जोड़ा जाए। सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी सीईटी पास युवाओं को प्रति माह सौ घंटे का काम उपलब्ध कराने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर यदि उन्हें दो साल तक रोजगार नहीं मिलता, तो सक्षम युवा योजना के तहत भत्ता दिया जाएगा। निश्चित रूप से सभी बेरोजगारों को काम व भत्ता देना व्यावहारिक भले नहीं लगे, लेकिन बेरोजगारों की बड़ी संख्या को फौरी तौर पर संबल जरूर मिलेगा। दरअसल, विगत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में युवाओं के लिए एक ऐसी ही योजना लाई गई थी, जिसमें सालाना 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवार के युवाओं को 9 हजार का मासिक भत्ता देने की बात कही गई थी। वहीं, महीने में निर्धारित समय तक काम देने के भी प्रयास हुए थे। लेकिन वास्तव में ऐसी आदर्श योजना के क्रियान्वयन में व्यावहारिक दिक्कतों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। विगत में हरियाणा के युवाओं को प्रकृति से जोड़ने व रोजगार के अवसर मुहैया कराने के अभिनव प्रयास भी मनोहर लाल सरकार के दौरान हुए थे, जिसमें बेरोजगार युवाओं को पौधा लगाने का दायित्व दिया गया था। इसमें गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और उनकी निरंतर देखभाल करने के लिए मानदेय निर्धारित किया गया था। उद्देश्य था कि जो पौधे लगें, वे जीवित भी रहें और युवा प्रकृति से जुड़ें। नायब सरकार की नई मुहिम इसी कड़ी का विस्तार माना जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, नायब सरकार समय की जरूरतों के हिसाब से शिक्षा देने के प्रयासों में गंभीर नजर आती है। इसी कड़ी में एआई प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार पंचकूला व गुरुग्राम में एआई हब विकसित करने जा रही है, जिसके अंतर्गत दो लाख युवाओं को हाई-स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके अंतर्गत एआई, रोबोटिक्स और ड्रोन तकनीक का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके लिए अतिरिक्त बजट का भी प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं, मॉडल आईटीआई और पॉलिटेक्निक में एआई प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है, वहीं सामान्य स्कूलों व कॉलेजों में इस बात पर बल दिया जा रहा है कि छात्र व छात्राओं को व्यवसायपरक शिक्षा दी जाए, जिससे युवा सिर्फ नौकरियों के भरोसे न बैठे रहें और खुद का काम-धंधा शुरू कर सकें। विडंबना यह है कि 21वीं सदी में भी भारतीय युवा सरकारी नौकरी के सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पा रहा है। बढ़ती आबादी और घटती सरकारी नौकरियों ने इस संकट को बढ़ाया है। आज जरूरत इस बात की है कि छात्रों में नवाचार व कौशल विकास के जरिये आत्मनिर्भर बनने का जज्बा पैदा किया जाए, जिससे वे खुद ही आर्थिक रूप से सक्षम न बनें, बल्कि दूसरों को भी रोजगार देने की स्थिति में आ जाएं। आज वैश्विक स्तर पर जारी राजनीतिक अस्थिरता व सिमटते रोजगार के अवसरों के बीच देश के युवाओं को रोजगार मुहैया कराना सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत युवाओं का देश है। यदि हम हर हाथ को काम न दे सके, तो युवाओं की शक्ति व क्षमताओं का लाभ उठाने के अवसर से वंचित हो जाएंगे।

सड़क दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सड़क दुर्घटनाओं में कमी न आना बेहद दुर्भाग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलना, कहीं-न-कहीं सड़क पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज देश में कहीं-न-कहीं से भीषण सड़क दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिलते रहते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सड़क हादसा माना जाता है। सड़क हादसों में बेवजह हजारों लोगों की जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के आंकड़ों पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सड़क पर खड़े वाहनों से टकरा कर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सड़क से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुई, 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं, आमने-सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना के शिकार हुए जो अन्य क्षति छोड़कर, मानवीय हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गति, बिना हेलमेट, वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरी, सुस्ती, नींद के झोंके, वाहन चलाते समय धूम्रपान, शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्स, टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करने, टायरों का ध्यान नहीं रखने और ज्यादा पुराने, घिसे, कटे-फटे, क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोग, बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है।

गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवरटेक भी वजह है। छोटी सड़कों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहा? जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपयोग नहीं करना, दुर्घटनाओं का सबब बनता है। ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे-छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कता, थोड़ी सजगता से बड़ी-बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है- दुर्घटना से देर भली।

भारत चीन सीमा से लगी किलोंग मंडी फिर हुई गुलजार

डॉ बृजेश सती

भारत सरकार की सीमा दर्शन योजना का असर धरातल पर दिखाई देने लगा है। भारत चीन सीमा से सटे व्यावसायिक और पर्यटन गतिविधि से जुड़े केंद्र एक बार फिर से आबाद हो रहे हैं। जहां केंद्र सरकार की वाइब्रेट विलेज योजना से जनपद चमोली, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ के सीमांत गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और रोजगार के साधन जुटाये जा रहे हैं। वहीं अब सीमा दर्शन योजना के अंतर्गत भारत चीन सीमा से जुड़े पुराने स्थानों में चहल पहल शुरू हो गई है। उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले की नीति घाटी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां पर्यटन गतिविधि बढ़ाने के मकसद से भारत चीन सीमा से लगी किलोंग मंडी को स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटकों के लिए भी खोल दिया गया है। सीमा तक सड़क पहुंचने और सीमा दर्शन योजना से आने वाले दिनों में पर्यटकों के लिए ये एक बेहतर डेस्टिनेशन हो सकता है।

इन योजनाओं के क्रियान्वयन से ज्योतिर्मठ विकासखंड के नीति घाटी के सीमांत गांव फरकिया, गमशाली, बम्पा, कैलासपुर, नीति आदि गांवों में रोजगार उपलब्ध होने के साथ ही पलायन जैसी समस्याओं पर भी रोक लगेगी।

सन 1962 से बंद है यह मार्ग

उल्लेखनीय है कि सन 1962 से पहले, किलोंग भारतीय और तिब्बती व्यापारियों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। लेकिन भारत चीन युद्ध से दोनों देशों के व्यापारियों के बीच सदियों से चला आ रहा व्यापार बंद हो गया। आवा जाही भी पूरी तरह से प्रतिबंधित थी। अब सीमा दर्शन योजना से यहां पर्यटन गतिविधि बढने लगी है। स्थानीय प्रशासन की अनुमति लेकर कोई भी व्यक्ति किलोंग मंडी विजिट कर सकता है।

मानसरोवर यात्रा का सरल और सुगम मार्ग

देश की राजधानी दिल्ली से नीति पास तक 500 किलोमीटर की दूरी दो दिन में पूरी की जा सकती है। यहां से 7 किलोमीटर की दूरी पर भारत चीन सीमा प्रारंभ हो जाती है। पूर्व में इसी मार्ग से स्थानीय व्यापारी और तीर्थ यात्री कैलाश मानसरोवर जाते थे। नीति मार्ग से कैलाश मानसरोवर की दूरी कम होने के साथ ही सरल और सुगम है। स्थानीय लोग लम्बे समय से इस पुराने मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

गांधी जी की अस्थियों को इसी मार्ग से ले जाया गया

सन 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद उनकी अस्थियों को कैलाश मानसरोवर में विसर्जित किया गया था। गांधीजी की अस्थियों को नीति घाटी के इसी पारंपरिक मार्ग से मानसरोवर में विसर्जित करने के लिए ले जाया गया। उस समय कैलाश मानसरोवर की यात्रा इसी मार्ग से की जाती थी। 1962 के बाद यह पारंपरिक की यात्रा मार्ग पूरी तरह से बंद है।

कम तनाव पूर्ण है यह इलाका

जहां तक भारत की तिब्बत से लगी हुई इस सीमा की बात की जाए, तो यहां अन्य सरहदों के मुकाबले स्थिति ठीक है। सन 1962 में भी इस सीमा पर कोई तनाव नहीं था। केवल देश के पश्चिमी और पूर्वी इलाकों में लड़ाई हुई। इस सीमा पर अपेक्षाकृत कम तनाव रहता है। हालांकि कभी-कभी चीनी सैनिक तो कभी भारतीय सैनिक एक दूसरे के क्षेत्र में आ जाते हैं। पूर्व में इस तरह की कुछ घटनाएं सामने आई थी।

योजनाओं में स्थानीय भागीदारी जरूरी

स्थानीय लोगों का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास केवल सड़क, बिजली और संचार सुविधाएं तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपराएं, पारंपरिक व्यापार, हस्तशिल्प, कृषि के साथ ही पर्यटन को एक समान महत्व दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक यदि स्थानीय लोगों की विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो, तभी इन योजनाओं का उद्देश्य पूरा होगा। सीमा दर्शन योजना केवल सीमांत इलाकों में पर्यटन गतिविधि बढ़ाने तक सीमित नहीं है। बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही स्थानीय लोगों की आजीविका और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

भारत की असली जेन जी : 38 करोड़ सपनों की वह पीढ़ी, जो विकसित भारत का भविष्य लिख रही

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज के दौर में यदि किसी देश की सबसे बड़ी ताकत का प्रश्न पूछा जाए तो उत्तर न तो उसके प्राकृतिक संसाधन होंगे और न ही उसकी सैन्य शक्ति। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं। भारत इस दृष्टि से विश्व का सबसे सौभाग्यशाली देश है। लगभग 38 करोड़ युवाओं वाली भारतीय जेनजी वह जीवंत ऊर्जा है जो आने वाले भारत की दिशा और दशा दोनों तय करेगी, किंतु इन सभी जेनजी के बीच कभी-कभी कुछ सौ या कुछ हजार युवाओं की नकारात्मक गतिविधियां पूरे युवा समाज को बदनाम कर देती हैं।

वस्तुतः सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले कुछ दृश्य यह भ्रम पैदा कर देते हैं कि पूरी पीढ़ी दिशाहीन हो गई है, जबकि वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत की असली जेनजी वह है जो सीमाओं पर देश की रक्षा कर रही है, प्रयोगशालाओं में नई तकनीक विकसित कर रही है, खेल मैदानों में तिरंगा लहरा रही है, स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार सृजित कर रही है, गांवों में नवाचार कर रही है और समाज सेवा से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक हर क्षेत्र में देश का भविष्य गढ़ रही है। यदि हम आज विकसित भारत-2047 के सपने को साकार करने की बात करें तो यही युवा शक्ति उसका आधार बनेगी।

यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार युवाओं को अमृत पीढ़ी कहकर संबोधित करते हैं। उनका विश्वास है कि विकसित भारत का संकल्प सरकारी योजनाओं के साथ इन सभी करोड़ों युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार से पूरा होगा। ऐसे में कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं या आंदोलनों के दौरान सामने आए अनुशासनहीन दृश्यों को देखकर पूरी जेनजी को कटघरे में खड़ा करना वास्तव में उन करोड़ों युवाओं के साथ अन्याय है जोकि प्रतिदिन राष्ट्रनिर्माण में लगे हुए हैं। यदि 38 करोड़ युवाओं में से कुछ हजार गलत दिशा में चले जाते हैं, तो उससे पूरी पीढ़ी का चरित्र निर्धारित नहीं किया जा सकता। समाज की परिपक्वता इसी में है कि वह विकृतियों का उपचार करे।

यदि भारत की जेनजी का वास्तविक चेहरा देखना हो तो सोशल मीडिया से बाहर निकलकर देश की सीमाओं की ओर देखना चाहिए। अग्निपथ योजना के माध्यम से हर वर्ष हजारों युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर राष्ट्ररक्षा का दायित्व संभाल रहे हैं। भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस में लाखों युवा दिन-रात देश की सुरक्षा में लगे हैं। भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों के पीछे भी आज यही युवा शक्ति खड़ी है। देश में करोड़ों विद्यार्थी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। लाखों युवा शोधकर्ता कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, रक्षा अनुसंधान और चिकित्सा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। विश्व का सबसे हल्का उपग्रह कलामसैट विकसित करने वाले रिफत शारूक हों, मातृ स्वास्थ्य के लिए अभिनव उपकरण तैयार करने वाले युवा शोधकर्ता हों, पार्किंसंस रोगियों के लिए नई तकनीक विकसित करने वाली वैज्ञानिक हों या फिर द अर्थ प्राइज जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाले किशोर वैज्ञानिक; ये सभी इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय युवा भविष्य की तकनीक के निमार्ता बन रहे हैं।

खेल जगत में भारत की नई पहचान भी इसी पीढ़ी ने गढ़ी है। कभी क्रिकेट तक सीमित समझे जाने वाले भारत ने अब एथलेटिक्स, शतरंज, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों में विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए मीराबाई चानू दिलीप गावित, ऋषिकांता सिंह चानंबम, मुरली श्रीशंकर मोहम्मद बासिल, झंडू कुमार राजा मुथु पांडे स्वर्ण से लेकर अन्य पदक जीत चुके हैं। अन्य खिलाड़ी भी पदक जीतने के लिए तैयार हैं। नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंद, अमन सहरावत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और अनेक युवा खिलाड़ियों ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय युवा विश्व विजेता बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की नई कहानी भी युवाओं के हाथों लिखी जा रही है। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक, एग्रीटेक, हेल्थटेक, डीप टेक और क्विक कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हजारों युवा उद्यमी नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। आदित पालिचा, कैवल्य वोहरा, शाश्वत नाकराणी और अनेक युवा उद्यमियों ने यह साबित किया है कि आज का भारतीय युवा नौकरी खोजने के स्थान पर रोजगार सृजित करने वाला बन चुका है। यही परिवर्तन आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।

देश की इस नई पीढ़ी को हम तकनीक और उद्योग के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, नेहरू युवा केंद्र और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़कर सेवा कार्य करते हुए भी देख सकते हैं। लाखों युवा शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, आपदा राहत, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी भारत की युवा पीढ़ी उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, जैव विविधता संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाले हजारों युवा आज सामाजिक परिवर्तन के वाहक बने हुए हैं।

यह भी सत्य है कि इस पीढ़ी के सामने अनेक चुनौतियां हैं। तीव्र प्रतिस्पर्धा, रोजगार की चिंता, मानसिक तनाव, डिजिटल व्यसन और सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं को प्रभावित करता है। इन समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किंतु इन चुनौतियों का समाधान पूरी पीढ़ी को प्रोत्साहित करते रहने में ही है। वास्तविकता यही है कि युवाओं को उपदेश से अधिक अवसर चाहिए, आलोचना करने के स्थान पर उनका मार्गदर्शन किया जाना जरूरी है और संदेह से अधिक विश्वास उन्हें चाहिए।

यही पीढ़ी चंद्रयान और गगनयान के सपनों को साकार करेगी, यही भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर निर्माण में वैश्विक नेतृत्व दिलाएगी, यही ओलंपिक में तिरंगा ऊंचा करेगी, यही खेतों में नई तकनीक पहुंचाएगी और यही भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करेगी। अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी युवा शक्ति पर विश्वास करें।

वस्तुतः भारत के जेनजी के संदर्भ में कहना यही होगा कि करोड़ों की उक्त संख्या जेनजी की आज भी हर सुबह एक नए सपने के साथ उठती है और हर शाम अपने श्रम से राष्ट्र की प्रगति में एक नई ईंट जोड़ देती है। यही पीढ़ी भारत की सबसे बड़ी पूंजी है, यही उसकी सबसे बड़ी आशा है और यही विकसित भारत की सबसे विश्वसनीय आधारशिला है।

डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीट पेपर लीक को लेकर जेन-जी को संबोधित करते हुए जो पहला सेल्फी वीडियो अपलोड किया था, उसे मेटा ने हटा दिया था। यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया था। बाद में जब इस पर हंगामा हुआ, तब कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो को जानबूझकर नहीं हटाया गया बल्कि यह एक तकनीकी खामी थी। इतनी बड़ी कंपनी का तकनीकी खामी का तर्क आसानी से गले नहीं उतरता। समर्थकों का आरोप है कि यह एक सोची-समझी साजिश है ताकि सरकार की बात करोड़ों युवाओं तक पहुंचने से रोका जा सके। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की नीतियों, कंटेंट मॉडरेशन और डिजिटल जवाबदेही को लेकर नई बहस का विषय बन गया है।

वास्तव में, मेटा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो सेंसर करना भारतीय लोकतंत्र और डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप है। यह कोई सामान्य कंटेंट मॉडरेशन नहीं है बल्कि एक विदेशी प्लेटफॉर्म द्वारा यह तय करने की तानाशाही कोशिश है कि भारतीय नागरिक क्या देख सकते हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियां दुनियाभर में नैरेटिव तय करके सरकारें बदलने का खेल खेलती रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट पर रोक लगाना इस बात का प्रमाण है कि उपभोक्ता जो देख रहे हैं, वह कंपनियां तय करती हैं।

सोशल मीडिया ने आम आदमी को बहुत बड़ी ताकत दी है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए लोग बिना किसी रोक-टोक अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुंचाते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से संगठित रूप से निगेटिव चीजों को प्रचारित करने का प्रयास हो रहा है। सोशल मीडिया ने कई देशों में सरकारों के खिलाफ जन-आंदोलनों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई है। अरब क्रांति, श्रीलंका और बांग्लादेश के हालिया उदाहरण इसके बड़े प्रमाण हैं, जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जनता को एकजुट किया।

पिछले एक दशक में देश में विपक्ष और विभिन्न संगठनों द्वारा जितने भी आंदोलन हुए हैं, उनमें निगेटिव, फर्जी और भड़काऊ सामग्री प्रचारित-प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का जमकर प्रयोग हुआ। हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर बनी एक पार्टी के रातोंरात करोड़ों फॉलोअर बन गए। इसके आंदोलन के दौरान सुनियोजित सोशल मीडिया कैंपेन चलाए गए। जनता के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए सीजेपी ने उस वामपंथी सोशल मीडिया तंत्र की शरण ली है जो लंबे समय से राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने के मिशन में जुटा है।

भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बिगाड़ने के प्रयास पिछले एक दशक से जारी हैं।

फेक न्यूज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित डीपफेक और सीमा पार से संचालित होने वाले फर्जी अकाउंट्स के जरिए सुनियोजित ढंग से भ्रम और तनाव पैदा किया जा रहा है। सीएए विरोध प्रदर्शन और किसान आंदोलन दोनों ही प्रमुख घटनाओं के दौरान सोशल मीडिया के दुरुपयोग के कई गंभीर मामले सामने आए थे। इन आंदोलनों के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न केवल सूचना साझा करने के लिए हुआ बल्कि इसके जरिए भारी मात्रा में भ्रामक जानकारियां, अफवाह और नफरत फैलाने वाले कंटेंट प्रसारित किए गए। ये खुला तथ्य है कि वामपंथी और लिबरल इकोसिस्टम ने इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने और अपनी सहूलियत का नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया, जिसके जवाब में भारत सरकार ने समय-समय पर राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के तहत कड़े कदम उठाए। सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम पर कॉक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और सोनम वांगचुक को उसके समर्थन के लिए जो ज्वार अचानक उठा था, अब उस विद्रूप और उच्छृंखल सुनामी लहरों का थमना शुरू हो गया है। इंस्टाग्राम पर उनके लिए समर्थन पूरी तरह से फर्जी और प्रायोजित था। इसके लिए तीन प्रोफेशनल एजेंसियों ने पैसे देकर वृहद स्तर पर प्रचार अभियान चलाया। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु की तीन एजेंसियों ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को पैसे देकर पूरा नैरेटिव सेट करने की कोशिश की। भारत को श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की तरह जलाने की पूरी तैयारी थी।

प्रदर्शन जारी रखने के लिए विभिन्न देशों से खाने-पीने और अन्य आर्थिक मदद दी जा रही थी। इस सुनियोजित षडयंत्र से जुड़ी तमाम रपट और जानकारियां पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं। चूंकि इस षड्यंत्र का जाल सामने आ गया है, जिसका सार्वजनिक पदार्फाश होना बहुत जरूरी है। यह खेल आगे न हो इसलिए सरकार और प्रशासन को चाहिए कि इन मामलों की गहराई से जांच करे और यह पता लगाये कि आखिर कौन-सी ताकतें इस अभियान में मोटी फंडिंग कर भारत में माहौल खराब करने की कोशिश कर रही हैं? चीन में फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पूरी तरह ब्लॉक हैं। उत्तर कोरिया में सोशल मीडिया पर पूरी तरह बैन है। आमलोग सिर्फ क्वांगमयोंग नाम के सरकारी इंट्रानेट तक सीमित रहते हैं। ईरान में फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब ब्लॉक हैं। ब्राजील ने एक्स को अस्थायी तौर पर बैन किया है। मिस्र, सऊदी अरब और सीरिया जैसे कई देशों में राजनीतिक कारणों से सोशल मीडिया पर कड़ी पाबंदियां हैं। इसके पीछे की वजह सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करना, फेक न्यूज को रोकना है।

असल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जुड़ाव-संचालित एल्गोरिदम को प्राथमिकता देते हैं, तथ्यात्मक जानकारी की तुलना में सनसनीखेज और भ्रामक सामग्री को बढ़ाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि फर्जी खबरें सच्ची खबरों की तुलना में छह गुना तेजी से फैलती हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ता अक्सर ऐसी सामग्री से जुड़ते हैं जो उनकी पूर्व-मौजूदा मान्यताओं के अनुरूप होती है, जिससे गलत सूचना को बल मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी हर आयुवर्ग खासकर युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता और सीधे कनेक्ट करने की शैली अक्सर विपक्षी दलों को खटकती है। लोकप्रियता के प्रमाण के तौर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी ने दो वीडियो पोस्ट किए थे, जिन पर करोड़ों में लाइक हैं, पीएम मोदी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 10.5 करोड़ के पार हो चुकी है। सीजेपी आंदोलन में सिर्फ एक सप्ताह के दौरान उनके एकाउंट में नए 40 लाख फॉलोअर्स जुड़े हैं। पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए मोदी सरकार ने हाई पावर टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। वहीं, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिये पेपर लीक रोधी कानून में आवश्यक बदलाव कर उसे संसद से पास कराया है।

ये गंभीर चिंता का विषय है कि अगर मेटा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार कर सकती है तो क्या उन्होंने एक विशेष इंस्टा पोस्ट को वायरल नहीं किया होगा? क्या आप दावे से कह सकते हैं कि ये नहीं हुआ होगा? सोशल मीडिया का सारा नियंत्रण अमेरिकी कंपनियों के पास है। ये उनके लिए चुटकी बजाने जितना आसान काम है। भारतीय विज्ञापन राजस्व से अरबों कमाने वाले ये अमेरिकी प्लेटफॉर्म्स अब भारतीय लोकतंत्र को प्रभावित करने का काम कर रहे हैं, जिन पर मोदी सरकार को तुरंत सख्त रेड लाइन्स तय करनी चाहिए। सीजेपी आंदोलन के दौरान 20 जुलाई को हुई हिंसा में अल्गोरिदम का भी बहुत बड़ा खेल है। इन विदेशी कंपनियों की मंशा साफ है। सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए।

नामत्सो: तिब्बत की स्वर्गीय झील, जहां प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

ओमप्रकाश सिंह

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ल्हासा से लगभग 240 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित नामत्सो झील केवल एक प्राकृतिक जलाशय नहीं बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध आस्था और वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है। तिब्बती भाषा में ग्नाम त्सो कहलाने वाली इस झील का अर्थ स्वर्गीय झील है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं।

समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है। लगभग 1,920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील करीब 70 किलोमीटर लंबी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम गहराई लगभग 125 मीटर है। झील को मुख्य रूप से न्येनचेन तांगला पर्वतमाला से आने वाले हिमनदों के पिघले पानी और मौसमी जलधाराओं से जल मिलता है। नामत्सो का प्राकृतिक सौंदर्य इसे एशिया के सबसे आकर्षक स्थलों में स्थान दिलाता है। नीले जल, बर्फ से ढंके पर्वत, विस्तृत घास के मैदान और गर्मियों में खिलने वाले जंगली फूल यहां की पहचान हैं। सर्दियों में पूरी झील बर्फ की मोटी चादर से ढंक जाती है।

कठोर जलवायु के बावजूद यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। यहां तिब्बती हिरण, कियांग, नीली भेड़, हिमालयी मर्मोट और तिब्बती लोमड़ी जैसे दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। झील के आसपास की आर्द्रभूमि बार-हेडेड गूज, रड्डी शेलडक, ब्राउन-हेडेड गल और संकटग्रस्त ब्लैक-नेक्ड क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों का भी महत्वपूर्ण आवास है। नामत्सो सदियों से तिब्बती घुमंतू समुदाय द्रोकपा का निवास क्षेत्र रहा है। इनकी आजीविका याक, भेड़ और बकरियों के पालन पर आधारित है। पारंपरिक याक के बालों से बने तंबू, मक्खन वाली चाय, ऊनी वस्त्र और पशुपालन यहां की सांस्कृतिक पहचान हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म में नामत्सो को चार प्रमुख पवित्र झीलों में गिना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि झील की परिक्रमा और यहां प्रार्थना करने से पापों का नाश होता है तथा आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है। लगभग 70 से 80 किलोमीटर लंबी नामत्सो कोरा परिक्रमा को अनेक श्रद्धालु कई दिनों में पैदल पूरी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए पूरी यात्रा संपन्न करते हैं। तिब्बती पंचांग के अनुसार भेड़ वर्ष में, जो हर 12 वर्ष में आता है, यहां हजारों श्रद्धालु एकत्र होते हैं। बौद्ध धर्म के आगमन से पहले भी यह झील बोन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती थी। बाद में तिब्बती बौद्ध परंपरा ने इन मान्यताओं को अपने धार्मिक दर्शन में समाहित कर लिया। झील के निकट स्थित न्येनचेन तांगला पर्वत को नामत्सो का दिव्य सहचर माना जाता है।

नामत्सो के द्वीपों और चट्टानों पर स्थित गुफाओं और आश्रमों में बौद्ध भिक्षु लंबे समय तक ध्यान और साधना करते रहे हैं। ऐतिहासिक विवरण बताते हैं कि कई साधक पूरी गर्मियां इन निर्जन द्वीपों पर बिताते थे और सर्दियों में झील जमने के बाद ही वापस लौटते थे।

धार्मिक महत्व के साथ-साथ नामत्सो वैज्ञानिक अनुसंधान का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। नामत्सो मल्टीस्फीयर ऑब्जर्वेशन एंड रिसर्च स्टेशन के वैज्ञानिक यहां जलविज्ञान, जलवायु, हिमनदों और पारिस्थितिकी तंत्र पर लगातार अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में वृद्धि, वर्षा के बदलते स्वरूप और तेजी से पिघलते हिमनदों का असर झील के जलस्तर और पूरे तिब्बती पठार की जल प्रणाली पर दिखाई दे रहा है।

हाल के वर्षों में पर्यटन बढ़ने से नामत्सो तक पहुंच आसान हुई है। ताशी दोर प्रायद्वीप पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन चुका है। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कई संरक्षण उपाय लागू किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि नामत्सो केवल एक झील नहीं, बल्कि तिब्बत की प्राकृतिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय महत्व का जीवंत प्रतीक है। यही कारण है कि यह झील आज भी दुनिया भर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों और वैज्ञानिकों के लिए समान रूप से आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

KITCHENWARE
THERMOWARE
COOKWARE
ORLO®
Fresh Food Storage System
मेहमानों से बोलो
औरलो!
ORLO KITCHENWARE PVT. LTD.
J-264, DSIIDC Industrial Area, Sec-1, Bawana, Delhi-110039 | Tel.: 9999999296, 7042727556

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★
NETWORK FOR PEOPLE OF CONSTRUCTION
CLUB NPC INDIA
क्लब NPC इंडिया
शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक
राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यों में समर्पित व्यक्तित्वों की
प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियों एवं विशेष समाचार
शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित
विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व
निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

MOOD
OF THE DAY
MEOW
WWW.CHORSIPAHI.IN
@CHORSIPAHI_
Posters
Candles
Fridge Magnets
Bottle Openers
and more....
Because good
stationery means
GOOD VIBES

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

अडानी पोर्ट्स	3.26 प्रतिशत
इंडिगो	0.87 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	0.83 प्रतिशत
बीईएल	0.74 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.57 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,330
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,24,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.14	94.07
पौड स्टर्लिंग	129.80	125.18
यूरो	111.00	106.84
चीन युआन	15.07	13.35

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन ग्वालियर में बनेगा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

■ केंद्र व मध्य प्रदेश सरकार एमओयू पर करेंगे हस्ताक्षर

ग्वालियर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को ऐलान किया कि केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ग्वालियर में देश के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेंगे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे।

यह एमओयू गुरुवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) और मध्य प्रदेश सरकार के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के बीच हस्ताक्षरित किया जाएगा।

प्रस्तावित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन को लगभग 350 एकड़ क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर विकसित किया जाएगा। परियोजना के पहले चरण में आधारभूत ढांचे के निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 493 करोड़ रुपए की 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। इस पहल को भारत के दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए सिंधिया ने कहा, 'टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और विकसित भारत 2047 के विजन को नई गति देगा। इससे देश में दूरसंचार विनिर्माण के लिए विश्वस्तरीय इकोसिस्टम तैयार होगा।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करेगी और भारत को दूरसंचार उपकरणों के वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। सिंधिया ने बयान में कहा, 'ग्वालियर में देश के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की स्थापना से न केवल दूरसंचार विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि निवेश आकर्षित होगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और नवाचार तथा निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस एकीकृत विनिर्माण जोन में मोबाइल फोन, दूरसंचार नेटवर्क उपकरण, फाइबर ऑप्टिक उत्पाद, सेमीकंडक्टर तथा अगली पीढ़ी की 5जी और 6जी तकनीकों के अनुसंधान, विकास और उत्पादन के लिए सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया व विकसित भारत 2047 के विजन को नई गति देगा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

2030 तक 500 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत सरकार ने 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत वर्ष 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। सरकार का मानना है कि इससे देश वैश्विक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) केंद्र के रूप में उभरेगा और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजीसीसी) डायलॉग 2026 को संबोधित करते हुए उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि सरकार ने 'विकसित भारत 2047' के विजन को अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ठोस कार्ययोजना में बदल दिया है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक हासिल किए जाने वाले स्पष्ट लक्ष्य और मील के पत्थर निर्धारित किए गए हैं। भाटिया ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का लक्ष्य मौजूदा उत्पादन को बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर करना है।

ओलेक्ट्रा भारत की सड़कों पर 4,000 इलेक्ट्रिक बसें उतारने वाली बनी देश की पहली कंपनी!

नई दिल्ली/शिमला, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की प्रमुख इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड, देश की सड़कों पर 4,000 इलेक्ट्रिक बसें उतारने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत में पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था (सस्टेनबल पब्लिक ट्रांसपोर्ट) की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस खास मौके का जश्न हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और माननीय उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को ओलेक्ट्रा की 4,000वीं इलेक्ट्रिक बस की चाबी सौंपकर मनाया गया। यह कार्यक्रम हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के बेड़े में शामिल की जा रही 297 ओलेक्ट्रा इलेक्ट्रिक बसों के हरी झंडी (फ्लैग ऑफ) समारोह के दौरान आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश सरकार, एचआरटीसी और

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। देशभर के कई राज्यों और शहरों में चल रही ओलेक्ट्रा की 4,000 बसें अब तक 73 करोड़ से अधिक हरित किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी हैं। इससे 6.5 लाख टन से अधिक सीओ2 उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है, जो स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण के लिए एक बहुत बड़ा योगदान है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, महेश बाबू ने कहा आज का दिन ओलेक्ट्रा के सफर के सबसे गर्व महसूस कराने वाले दिनों में से एक है। भारत में 4,000 इलेक्ट्रिक बसें तैनात करने वाली पहली कंपनी बनना सिर्फ ओलेक्ट्रा की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है।

मध्य प्रदेश में किसानों से खरीदी जाएगी 60 प्रतिशत मूंग

भोपाल, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मूंग उत्पादक किसानों और सरकार के बीच हुई बातचीत के बाद सरकार ने ऐलान किया है कि राज्य में किसानों से 25 प्रतिशत की बजाय 60 प्रतिशत उपज की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। वहीं खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है।

राज्य के किसानों के मुद्दों को हल करने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंत्री समूह का गठन किया था। इस समूह की किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बुधवार की देर रात को बैठक हुई। बैठक में कई किसान हितैषी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश के कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने कहा है कि भारत सरकार की ओर से इस साल

ग्रीष्मकालीन मूंग के उपार्जन के लिए मध्य प्रदेश को 4.52 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। भारत सरकार की योजना के अंतर्गत राज्य के कुल उत्पादन का अधिकतम 25 प्रतिशत उपार्जन किए जाने का प्रावधान है। भारत सरकार के इसी नियम के अंतर्गत निर्णय लिया गया था कि प्रदेश के मूंग उत्पादक किसानों से उनकी उपज का 25 प्रतिशत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जित किया जाएगा।

जन औषधि के न्यूट्रास्यूटिकल्स से सस्ते हुए हेल्थ सप्लीमेंट : सरकार

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत उपलब्ध न्यूट्रास्यूटिकल (पोषण संबंधी सप्लीमेंट) उत्पाद देश भर के परिवारों के लिए स्वास्थ्यवर्धक सप्लीमेंट को अधिक सुलभ और किफायती बना रहे हैं। योजना के तहत प्रोटीन बार, इम्यूनिटी बार, माल्ट आधारित पोषण आहार और विशेष पोषण उत्पाद बाजार की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सरकार के अनुसार, जन औषधि पोर्टफोलियो में 35 ग्राम के चॉकलेट पैक में जन औषधि

प्रोटीन बार और जन औषधि इम्यूनिटी बार उपलब्ध हैं। वहीं, जन औषधि वुमेन प्रोटीन बूस्ट 250 ग्राम के चॉकलेट और वनीला फ्लेवर पैक में 204.66 रुपए की कीमत पर मिलता है। इन उत्पादों को बच्चों, कामकाजी लोगों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की अलग-अलग पोषण संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार

■ परिवारों को कम कीमत में मिल रहा पोषण

किया गया है।

परिवार के सभी सदस्यों के लिए रोजमर्रा के पोषण को सुलभ बनाने के उद्देश्य से जन औषधि पोषण रेंज भी उपलब्ध कराई गई है, जिसमें आवश्यक विटामिन और खनिजों से भरपूर माल्ट-आधारित न्यूट्रिशनल फूड शामिल है। सरकार ने बताया कि 500 ग्राम का जन औषधि पोषण माल्ट पैक 160.17 रुपए में उपलब्ध है, जबकि कोको फ्लेवर की कीमत 164.62 रुपए है। इसके अलावा, 30 ग्राम का कोको सैशे केवल 8.90 रुपए में खरीदा जा सकता है।

सार संक्षेप

केनरा एचएसबीसी लाइफ़ इंश्योरेंस ने 'सुरक्षित करने का वादा' पेश किया

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ('केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस') ने 'सुरक्षित करने का वादा' लॉन्च करने की घोषणा की है, जो एक कॉम्प्रिहेंसिव नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग इंडिविजुअल प्योर रिस्क प्रीमियम लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसे लोगों और परिवारों को ज़िंदगी की अनिश्चितताओं से अपने फाइनेंशियल भविष्य को सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है। जैसे-जैसे फाइनेंशियल ज़िम्मेदारियाँ और मुश्किल होती जा रही हैं, 'सुरक्षित करने का वादा' पारंपरिक प्रोटेक्शन को फिर से सोचता है, जिसमें लाइफ कवरेज को प्रोटेक्शन की कई लेयर्स और वैल्यू-एडेड सर्विसेज़ के साथ इंटीग्रेट करके एक ज़्यादा होलिस्टिक प्रपोज़िशन दिया गया है। यह प्लान लाइफ कवर को एक्सीडेंटल डेथ और डिसेबिलिटी, क्रिटिकल और टर्मिनल इलनेस, और बच्चे के भविष्य की सिक्योरिटी के साथ जोड़कर और भी आगे जाता है।

वीएफएस ग्लोबल ने नवीनतम सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली। वीएफएस ग्लोबल जो सरकारों और नागरिकों के लिए सुरक्षित गतिशीलता (सुरक्षित गतिशीलता) को सक्षम बनाने वाली विश्व की अग्रणी विश्वसनीय प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता कंपनी है, ने आधिकारिक रूप से अपनी सातवीं सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें वर्ष 2025 के प्रदर्शन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। यह रिपोर्ट परिचालन विकास (ऑपरेशनल ग्रोथ) में निरंतर प्रगति तथा डिजिटल परिवर्तन (डिजिटल बदलाव) के क्षेत्र में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को रेखांकित करती है। इनमें रिस्पॉन्सिबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ज़िम्मेदार एआई) रूपरेखा का सफ़ल एकीकरण तथा कंपनी की वैश्विक उपस्थिति का विस्तार प्रमुख हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

न्यूयॉर्क। महंगाई के खतरे को देखते हुए अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर को 3.5 फीसदी से 3.75 फीसदी पर बिना किसी बदलाव के रखा है। इस फैसले से स्टॉक मार्केट में भारी गिरावट आई। इसमें डॉव जोन्स 1,153 पॉइंट्स या 2.19 फीसदी और एनएएसडीएक्यू 433 पॉइंट्स या 1.74 फीसदी नीचे आ गया। रेट तय करने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) में मतभेद था। नौ सदस्यों ने रेट को बिना बदले सामान्य रखने के लिए पक्ष में वोट किया, जबकि तीन ने चौथाई पॉइंट रेट बढ़ाने के लिए दबाव डाला। इन तीन में मिनियापोलिस फेडरल रिजर्व के नील काशकारी भी शामिल थे।

भारत में 2026 में सोने की मांग 6 प्रतिशत घटी

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (क्यू2) यानी अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सोने की कुल मांग में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ताजा क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, मौसमी सुस्ती, आयात शुल्क (कस्टम ड्यूटी) का असर और उपभोक्ताओं की बदलती सोच के कारण सोने की खरीदारी प्रभावित हुई। हालांकि, निवेश के उद्देश्य से सोने की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी रही।

रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में देश की कुल सोने की मांग 131.4 टन रही, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 139.7 टन थी। इस दौरान सबसे अधिक गिरावट आभूषणों (ज्वेलरी) की मांग में देखने को मिली। आंकड़ों के अनुसार, ज्वेलरी की मांग सालाना आधार पर 15 प्रतिशत घटकर 88.8 टन से 75.1 टन रह गई।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी को कुछ समय के लिए टालने और बचत के वैकल्पिक साधनों पर विचार करने की अपील की थी। उनका कहना था कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और आयात लागत में वृद्धि के कारण विदेशी मुद्रा

■ निवेश के उद्देश्य से सोने की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी रही

भंडार पर दबाव बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मई में कहा था, 'मैं लोगों से अपील करूंगा कि वे एक वर्ष तक शादियों के लिए सोना न खरीदें।' यह अपील पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उससे पैदा हुई वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच की गई थी।

इस बीच, गुरुवार को एमसीएक्स पर मुनाफावसूली के चलते सोने और चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले मुनाफावसूली की।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 4,080 डॉलर के आसपास सोने की कीमतों का टिके रहना इस बात का संकेत है कि बाजार एक ओर सख्त मौद्रिक नीति और दूसरी ओर पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

सोने-चांदी में सीमित दायरे में कारोबार

मुंबई। सोने और चांदी की शुरुआत गुरुवार को मिलीजुली हुई। एक तरफ सोने में मामूली तेजी के साथ, जबकि चांदी में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्तूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,283 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,43,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,101 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,43,663 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है, जो दिखाता है कि सोने में सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है। दूसरी तरफ चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,479 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,16,389 रुपए प्रति किलो पर खुला।

भारत में क्रिटिकल मिनरल की मांग 2047 तक 10 गुना बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में क्रिटिकल मिनरल की मांग 2047 तक चार से दस गुना तक बढ़ सकती है। इसकी वजह सरकार की ओर से 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ाने की दिशा में उठाए जा रहे कदम हैं। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम के तेजी से विस्तार के चलते लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, ग्रेफाइट, तांबा और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की मांग में तेज बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले ईवी बैटरियों की मांग 2030 तक 110-130 गीगावाट तक पहुंच सकती है। वहीं, भारत के 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ क्रिटिकल मिनरल की मांग चार से दस गुना तक बढ़ सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत को केवल खनिज संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित

■ भारत को केवल खनिज संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए

करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि एक्सप्लोरेशन, रिफाइनिंग, प्रोसेसिंग, रीसाइक्लिंग और फंडिंग जैसे क्षेत्रों में मजबूत घरेलू क्षमताएं भी विकसित करनी होंगी। रिपोर्ट में 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप लक्षित नीतिगत सुधारों, रणनीतिक निवेश और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से वर्ष 2047 तक के लिए तीन चरणों वाला रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। पहला चरण 2026-31 के दौरान बुनियादी ढांचा तैयार करने का है।

भारत की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री के वित्त वर्ष 30 तक 10 फिसदी बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री के वित्त वर्ष 2030 तक लगभग 10 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। इसकी वजह मैन्युफैक्चरर्स द्वारा सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट, डिफेंस, एयरोस्पेस और डेटा-सेंटर पावर जेनरेशन जैसे अधिक मार्जिन वाले प्रिसिजन इंजीनियरिंग सेक्टर में अपने कारोबार का विस्तार करना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। यूएस इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि देश की ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री की आय वित्त वर्ष 30 तक 124.4 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है, जो कि वित्त वर्ष 26 में 85.6 अरब डॉलर थी।

इस दौरान एबिटडा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह कंपनियों का ज्यादा मार्जिन वाले कारोबार में विस्तार करना है। इन्वेस्टमेंट बैंक ने कहा कि जैसे-जैसे भारत का ऑटो सेक्टर 'बदलाव के दौर' में प्रवेश कर रहा है, कई मैन्युफैक्चरर्स अपने प्रोडक्ट मिक्स को बदल

■ सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव व इंडस्ट्रियल खरीदार भारत की ओर हो रहे आकर्षित

रहे हैं और मुनाफा बढ़ाने के लिए अपनी मौजूदा क्षमताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सप्लाई चेन के जोखिम को कम करने की वैश्विक कोशिशों के कारण सेमीकंडक्टर, ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रियल खरीदार भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इससे भारतीय प्रिसिजन-मशीनिंग कंपनियों के लिए सेमीकंडक्टर वेफर-फैब्रिकेशन इक्विपमेंट, इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपोनेंट्स, एयरोस्पेस, डिफेंस और डेटा सेंटर पावर जेनरेशन जैसे क्षेत्रों में अवसर पैदा हो रहे हैं।

लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ बाजार

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र है जब प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिली है। बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 273.55 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ।

प्रमुख सूचकांकों की तुलना में व्यापक सूचकांकों का प्रदर्शन कमजोर रहा, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.35 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑटो शीर्ष लाभ कमाने वाला इंडेक्स बनकर उभरा, जिसमें 1.63 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके साथ ही, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी सूचकांक सबसे अधिक गिरावट दर्ज

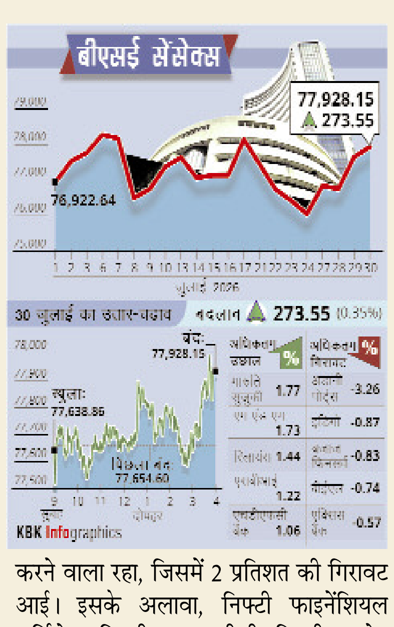

करने वाला रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स में भी गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एम एंड एम, कोल इंडिया, आइशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी और विप्रो शामिल थे, जबकि नुकसान उठाने वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई लाइफ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और इंडिगो शामिल थे।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को यथावत रखने का फैसला बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहा, लेकिन महंगाई पर लगातार सख्त रुख बनाए रखने के कारण उसका रुख (हॉकिश स्टैंड) बरकरार रहा। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में तेज बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को लेकर दबाव बढ़ रहा है।

■ सेंसेक्स 0.35 प्रतिशत बढ़कर 77,928.15 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.28 प्रतिशत बढ़कर 24,317.15 अंक पर बंद

जानिए धार्मिक और वैज्ञानिक कारण, व्रत में केवल सेंधा नमक ही क्यों खाया जाता है?

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए लाखों श्रद्धालु सोमवार का व्रत रखते हैं। व्रत में कई लोग बिना नमक वाला फलाहार ग्रहण करते हैं, तो वहीं कुछ लोग नमक वाले फलाहार का सेवन करते हैं। लेकिन, यह साधारण नमक नहीं होता है, बल्कि सेंधा नमक होता है। क्या आपने कभी सोचा है कि व्रत में सिर्फ सेंधा नमक (रॉक सॉल्ट) ही क्यों खाया जाता है? इसके पीछे सिर्फ धार्मिक मान्यता ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक कारण भी छिपे हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, व्रत का उद्देश्य सिर्फ भूखे रहना नहीं, बल्कि शरीर और मन दोनों को शुद्ध करना होता है। इसी कारण व्रत में ऐसी चीजें खाने की सलाह दी जाती है, जो प्राकृतिक, सात्विक और कम से कम प्रोसेस्ड हों। सेंधा नमक इन्हीं गुणों के कारण व्रत में खाया जाता है।

साधारण नमक फैक्ट्री में कई रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार किया जाता है। इसमें आयोडीन और अन्य तत्व मिलाए जाते हैं, जिससे यह प्रोसेस्ड फूड की श्रेणी में आ जाता है। वहीं, सेंधा नमक प्राकृतिक रूप से चट्टानों से निकाला जाता है। इसे किसी बड़े रासायनिक प्रसंस्करण से नहीं गुजारा जाता, इसलिए इसे अधिक शुद्ध माना जाता है। यही वजह है कि धार्मिक परंपराओं में इसे व्रत के लिए उपयुक्त माना गया है।

व्रत के दौरान लोग सामान्य भोजन नहीं करते, जिससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। सेंधा नमक शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में मदद करता है

अगर वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो भी सेंधा नमक कई मायनों में फायदेमंद माना जाता है। व्रत के दौरान लोग सामान्य भोजन नहीं करते, जिससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। सेंधा नमक शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और थकान या कमजोरी को कम करने में सहायक हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार सेंधा नमक में सामान्य नमक की तुलना में सोडियम अपेक्षाकृत कम और पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे खनिज अधिक होते हैं। यही कारण है कि यह पाचन तंत्र के लिए अपेक्षाकृत हल्का माना जाता है। कई लोग व्रत के दौरान फल, दही, साबूदाना, कुट्टू या सिंघाड़े के आटे से बने भोजन में सेंधा नमक मिलाकर खाते हैं, ताकि शरीर को जरूरी खनिज भी मिलते रहें।

इसके अलावा सेंधा नमक की तासीर ठंडी मानी जाती है। माना जाता है कि यह शरीर को हाइड्रेट रखने और पाचन को सहज बनाए रखने में मदद करता है। व्रत के दौरान लंबे समय तक भोजन न करने से होने वाली थकान और कमजोरी को कम करने में भी यह उपयोगी माना जाता है। हालांकि, किसी भी नमक का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों या ऐसे लोगों को, जिन्हें लंबे समय तक भूखे रहने में दिक्कत होती है, व्रत के दौरान संतुलित फलाहार और जरूरत के अनुसार सेंधा नमक लेने की सलाह दी जाती है।

अंडों के लिए केज-फ्री सिस्टम कितना सही? नई स्टडी में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हममें से ज्यादातर लोग केज-फ्री या फ्री-रेंज तरीके से तैयार किए गए अंडे को हर लिहाज से बेहतर मानते हैं, लेकिन एक नई स्टडी में इसको लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नई रिसर्च में सामने आया है कि मुर्गियों के बेहतर जीवन के लिए अपनाए जाने वाले ये तरीके पर्यावरण पर अतिरिक्त बोझ डाल सकते हैं। जहां एक तरफ पशु कल्याण को बढ़ावा मिलता है, वहीं दूसरी तरफ ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन और जमीन की जरूरत बढ़ सकती है।

यह अध्ययन ब्रिटेन (यूके) के आंकड़ों पर आधारित है। शोधकर्ताओं ने अंडा उत्पादन के कई अलग-अलग मॉडल की तुलना की। इसमें पारंपरिक क्रेज सिस्टम, बार्न सिस्टम, फ्री-रेंज और ऑर्गेनिक फार्मिंग शामिल थे। अध्ययन के दौरान यह ध्यान रखा गया कि सभी परिस्थितियों में अंडों का उत्पादन समान रहे, ताकि निष्कर्ष निष्पक्ष हों।

रिसर्च में पाया गया कि यदि पूरी तरह से फ्री-रेंज और ऑर्गेनिक तरीके से अंडों का उत्पादन किया जाए, तो मौजूदा व्यवस्था की तुलना में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इसके लिए लगभग दोगुनी जमीन की भी जरूरत पड़ेगी।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्मिथ स्कूल ऑफ एंटरप्राइज एंड द एनवायरमेंट की वरिष्ठ शोधकर्ता डॉ. हैरियट बार्टलेट ने कहा कि भविष्य की अंडा उत्पादन व्यवस्था तय करते समय केवल पशु कल्याण को ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और खाद्य उत्पादन—तीनों पहलुओं को साथ लेकर चलना होगा। उनके मुताबिक, इन जटिल संतुलनों को समझना ही बेहतर और टिकाऊ फैसले लेने की कुंजी है।

रिसर्च में पाया गया कि यदि पूरी तरह से फ्री-रेंज और ऑर्गेनिक तरीके से अंडों का उत्पादन किया जाए, तो मौजूदा व्यवस्था की तुलना में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

शोध के प्रमुख लेखक और क्रोएशिया के स्वतंत्र शोधकर्ता ओलिवर मार्टिनिक का कहना है कि दुनिया भर में पिंजरों में मुर्गियां पालने की व्यवस्था खत्म करने की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके पीछे पशु अधिकारों और उनके बेहतर जीवन की चिंता है, जो पूरी तरह उचित भी है। लेकिन यदि बिना सभी पहलुओं पर विचार किए बड़े पैमाने पर बदलाव किए गए, तो इसके कुछ अनचाहे परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

रिसर्च बताती है कि दुनिया की पूरी खाद्य आपूर्ति शृंखला मानव गतिविधियों से होने वाले कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 26 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा जल स्रोतों में अत्यधिक पोषक तत्व पहुंचने (यूट्रोफिकेशन) की 78 प्रतिशत और मिट्टी के अम्लीकरण (टेरेस्ट्रियल एसिडिफिकेशन) की 32 प्रतिशत समस्या भी खाद्य उत्पादन से जुड़ी है। पिछले 50 वर्षों में दुनिया भर में अंडों का उत्पादन चार गुना बढ़ चुका है, इसलिए इस उद्योग का पर्यावरण पर प्रभाव भी लगातार बढ़ा है।

डेस्क जॉब वालों के लिए रामबाण है डोलासन, जानें अद्भुत फायदे

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आज की भागदौड़भरी जिंदगी में अनियमित आहार और एक ही जगह देर तक बैठकर काम करने से शरीर रोगों का शिकार हो रहा है। हालांकि, बीच-बीच में समय निकालकर योग करने से फिर से तरोताजा महसूस होने लगता है। इन्हीं, डोलासन एक ऐसी योग मुद्रा है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद करता है।

यह एक हठ योग मुद्रा है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है। ‘डोल’ = झूलना’ आसन’ = योग मुद्रा। इसके नियमित अभ्यास से थकान, सिरदर्द और तनाव से राहत मिलती है। इस आसन को करने के दौरान शरीर के ऊपरी हिस्से को पेंडुलम की तरह आगे-पीछे झुलाया जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसके महत्ता पर जोर दिया है। उनके अनुसार, डोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है, जो लचीलापन, रीढ़ की मजबूती और संतुलन बढ़ाता है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करता है पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव देकर दर्द कम करता है। हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की नसों को टोन करता है। साथ ही, रीढ़ की नसों को एक्टिव करके रीढ़ को लचीला बनाता है।

इसे करना बेहद आसान है। सबसे पहले दोनों पैरों को थोड़ा चौड़ा करके सीधे खड़े हो जाएं। गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को आपस में इंटरलॉक करें और सिर के पीछे रखें। सांस छोड़ते हुए अपने धड़ (अपर एब्डोमेन) को पेंडुलम की तरह दाएं से बाएं और बाएं से दाएं झुलाएं। इस दौरान शरीर का ऊपरी हिस्सा घड़ी के पेंडुलम की भांति गति करता है। रोजाना 1-2 मिनट करने से शरीर में हल्कापन और ऊर्जा महसूस होती है। शुरु में इस आसन को करने में साधक को दिक्कत हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे वे इस आसन को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएंगे। धीरे-धीरे आदत हिस्सा बन जाएगी।

‘एआई महिलाओं की जिंदगी कर रहा बर्बाद’

खुशी दुबे की ‘सर्विस गर्ल’ दिखाएगी साइबर क्राइम की असली सच्चाई

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आज के डिजिटल जमाने में टेक्नोलॉजी जितनी आसान हुई है, उतने ही नए खतरे भी सामने आए हैं। खासकर महिलाओं के लिए सोशल मीडिया और एआई का गलत इस्तेमाल एक बड़ा मुद्दा बन गया है। डीपफेक, फेक वीडियो और फोटो के जरिए लड़कियों को ब्लैकमेल करने की घटनाएं आए दिन सुनने को मिलती हैं। इसी गंभीर मुद्दे को लेकर एक नई वेब सीरीज ‘सर्विस गर्ल’ आ रही है।

इस सीरीज में टीवी और वेब की जानी-मानी एक्ट्रेस खुशी दुबे लीड रोल निभा रही हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि ‘सर्विस गर्ल’ सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए नहीं है, बल्कि यह समाज को आईना दिखाने की कोशिश है। खुशी ने सबसे पहले एआई साइबर क्राइम की गंभीरता पर बात की। उन्होंने कहा, ‘’ये समस्या अब बहुत बड़ी हो गई है और इसका शिकार ज्यादातर युवा लड़कियां बन रही हैं। हमारी वेब सीरीज का मकसद यही है कि लोगों को इस खतरे के बारे में पता चले।’’

खुशी कपूर ने कहा, ‘’आजकल एआई की मदद से किसी की भी फेक तस्वीरें और वीडियो बनाना बहुत आसान हो गया है। हम अक्सर न्यूज में पढ़ते हैं कि किसी लड़की की फेक बोल्ड फोटो वायरल कर दी गई। उसकी शादी टूट गई, नौकरी चली गई, या समाज ने उसे जीने नहीं दिया। ‘सर्विस गर्ल’ इसी हकीकत को दिखाने की कोशिश करती है। साथ ही यह भी दिखाती है कि अगर हिम्मत हो तो इंसान इस अंधेरे से बाहर निकल सकता है। मेरा किरदार उसी हिम्मत और जज्बे की कहानी है।’ खुशी सीरीज में दिव्या नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। दिव्या की कहानी लाखों भारतीय लड़कियों की कहानी है।

खुशी ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘’मैं दिव्या का रोल कर रही हूं। दिव्या एक सीधी और सिंपल लड़की है। उसकी शादी कम उम्र में हो जाती है। वो अपनी गृहस्थी में खुश है। लेकिन एक दिन उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। कोई शख्स एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके उसकी फेक और अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना देता है। वो वीडियो वायरल हो जाते हैं। परेशानी ये है कि वो वीडियो असली नहीं हैं, लेकिन देखने वाले को लगता है कि ये सच है। दिव्या बार-बार कहती है कि यह मैं नहीं हूं, लेकिन कोई उसकी बात नहीं सुनता।

खुशी ने बताया, ‘इस किरदार को निभाना आसान नहीं था। इसके लिए मुझे रिसर्च करनी पड़ी और असल जिंदगी को करीब से देखना पड़ा। मैं उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से हूं। मैंने अपने आसपास दिव्या जैसी कई महिलाओं को देखा है। जब कोई ऐसी घटना उनके साथ होती है तो वे टूट जाती हैं, लेकिन बोल नहीं पातीं। मैंने कोशिश की कि दिव्या स्क्रीन पर बिल्कुल असली लगे। उसके चलने, बोलने और रिएक्ट करने का तरीका प्रयागराज की महिलाओं जैसा ही हो।‘

‘स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे’ पब्लिक रिव्यू : युवाओं को भाया ‘हल्क’ और ‘द हैंड’ का फाइट सीन

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। टॉम हॉलेंड की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे’ सिनेमाघरों में गुरुवार प्रदर्शित की जा चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में भारी क्रेज देखने को मिल रहा था, जिसका असर सिनेमाघरों में भी देखने को मिला। हालांकि, दर्शकों में ज्यादा युवा ही देखने को मिले। सिनेमाघरों से बाहर निकलने के बाद उन्होंने फाइट सीन्स की जमकर तारीफ की। साथ ही, पिछली फिल्म के मुकाबले इसे थोड़ा हल्का बताया। एक दर्शक ने फिल्म को शानदार बताते हुए टॉम हॉलेंड के अभिनय की जमकर तारीफ की, जबकि दूसरे ने कहा, ‘इस फिल्म को लेकर मेरी ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन पहली वाली के मुकाबले ये उतना असर नहीं छोड़ पाई। दोनों ही पार्ट शानदार थे और टॉम हॉलेंड ने भी अपना रोल अच्छा निभाया था।‘

एक और दर्शक ने कहा, ‘फिल्म बहुत शानदार थी, फाइट भी मजेदार थी और दोनों ही पार्ट ठीक थे। हालांकि, पिछली स्पाइडर मैन फिल्म के मुकाबले उतना असर नहीं छोड़ पाई है।‘ एक

‘फिल्म बहुत शानदार थी, फाइट भी मजेदार थी और दोनों ही पार्ट ठीक थे। हालांकि, पिछली स्पाइडर मैन फिल्म के मुकाबले उतना असर नहीं छोड़ पाई है।

और दर्शक ने कहा, ‘हमें फिल्म अच्छी लगी, इसकी कास्ट भी शानदार थी। हम लोग ज्यादा उम्मीदें लेकर आए थे और फिल्म बहुत मजेदार थी, बल्कि सेकंड हाफ ज्यादा अच्छा था। हालांकि ‘स्पाइडर-मैन: नो वे होम’ ज्यादा अच्छी थी क्योंकि उसमें तीनों स्पाइडर-मैन साथ में आए थे।

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे, फिल्म ‘सोलह’ से शुरू किया सिनेमा का नया सफर

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म ‘सोलह’ के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं।

सोनाली बेंद्रे ने बताया कि ‘सोलह’ उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। ‘सोलह’ में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं। सोनाली ने कहा, ‘फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है। मैंने हमेशा ऐसी कहानियों को चुना है जो खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग में रह जाती हैं। जो आपको थोड़ी देर के लिए रुककर सोचने पर मजबूर करती हैं। आपको जिंदगी को थोड़ा अलग तरीके से देखने में मदद करती हैं। ‘सोलह’ ने मेरे साथ बिल्कुल यही किया। इसे सुनने के बाद मैं काफी देर तक शांत रही और सोचती रही।’ सोनाली ने बताया कि आखिर उन्हें ‘सोलह’ की कहानी इतनी क्यों पसंद आई। उन्होंने कहा, ‘’जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो वो सीधे मेरे दिल से जा लगी। असल में ये फिल्म उम्मीद की कहानी है। ये हिम्मत की कहानी है और सबसे जरूरी बात ये आम लोगों के अंदर छिपी उस शांत ताकत की कहानी है, जिसके बारे में हम रोजमर्रा की जिंदगी में बात नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा है। बीमारी, संघर्ष और फिर उससे उबरना। इन सबके बाद मैंने उम्मीद और हिम्मत की कीमत और भी ज्यादा समझी है।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि ‘तेवर’ म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ‘शूट के बीच में हार्डी ने कहा, ‘अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। ‘हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना’, इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।’ उन्होंने कहा, ‘’हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।’ रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ‘’सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।’

हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ‘शूट के बीच में हार्डी ने कहा, ‘अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो: रेवती महुरकर

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ‘’वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से ‘तेवर’ का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है।

50 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों में नींद की समस्या आम, काम का तनाव बना बड़ी वजह

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। 50 साल से अधिक उम्र के कर्मचारियों में नींद से जुड़ी परेशानियां उम्मीद से कहीं ज्यादा आम हैं। एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि काम से जुड़ा तनाव, असंतुलित जीवनशैली और नौकरी से जुड़ी परेशानियां न सिर्फ नींद को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि लोगों की मानसिक और शारीरिक सेहत पर भी असर डाल रही हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि करीब 70 प्रतिशत प्रतिभागियों को लगातार ऐसी नींद की समस्या थी, जो चिकित्सकीय रूप से गंभीर मानी जा सकती है। खास बात यह है कि इनमें से किसी भी व्यक्ति का पहले से कोई ज्ञात स्लीप डिसऑर्डर का इतिहास नहीं था। वहीं, करीब 92 प्रतिशत लोगों में अध्ययन के दौरान कम से कम एक बार नींद संबंधी समस्या के मानक पूरे पाए गए।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि करीब 70 प्रतिशत प्रतिभागियों को लगातार ऐसी नींद की समस्या थी, जो चिकित्सकीय रूप से गंभीर मानी जा सकती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि इन समस्याओं का संबंध केवल उम्र बढ़ने से नहीं है, बल्कि काम के दबाव और तनाव का भी इसमें बड़ा योगदान है। जिन लोगों ने बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस और नौकरी से संतुष्टि की बात कही, उनमें मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर पाया गया। वहीं, जो लोग काम के दौरान तनाव, चिड़चिड़ापन या उदासी महसूस करते थे, उनमें स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां ज्यादा देखने को मिलीं। इस अध्ययन में 50 से 66 वर्ष की उम्र के 45 कर्मचारियों को शामिल किया गया। ये लोग अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे थे। शोधकर्ताओं ने करीब एक साल तक इन लोगों की निगरानी की। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों से स्वास्थ्य, काम और जीवनशैली से जुड़े सवाल पूछे। इसके अलावा स्मार्टवॉच और अन्य पहनने वाले सेंसर के जरिए उनकी नींद का भी रिकॉर्ड तैयार किया गया।

अध्ययन में सामने आया कि ज्यादातर लोग रात में 6.5 से 8 घंटे तक सो रहे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सुबह उठने के बाद पूरी तरह आराम महसूस नहीं होता था। इसकी वजह कम सोना नहीं, बल्कि रात में बार-बार नींद टूटना और नींद की गुणवत्ता खराब होना थी। शोधकर्ताओं ने बताया कि कई लोग अपनी खराब नींद का कारण पर्याप्त समय न मिलना मानते हैं, लेकिन स्मार्टवॉच से मिले आंकड़ों ने दिखाया कि असली समस्या बार-बार नींद में खलल पड़ना थी। करीब 90 प्रतिशत प्रतिभागियों में अध्ययन के दौरान नींद में रुकावट देखी गई।

शोध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की गई कि कौन से कारण नींद और स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा असर डालते हैं। इसमें काम से जुड़े अनुभव सबसे महत्वपूर्ण कारणों में सामने आए। इससे संकेत मिलता है कि नौकरी का तनाव नींद और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला बड़ा कारक हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल की डॉ. बेलिंडा स्टेफन ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ होने वाले बदलावों के अलावा आर्थिक चिंता, परिवार की जिम्मेदारियां और काम का तनाव भी नींद को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नींद को अब कार्यस्थल की सेहत और कर्मचारियों के कल्याण से जोड़कर देखने की जरूरत है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से केसरिया होने पर मचा बवाल

हॉकी इंडिया ने बताया इसे तकनीकी बदलाव, कहा- नीली जर्सी पिच पर हो रही थी कम विजिबल, पूर्व कप्तानों ने उठाए सवाल...

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

नीदरलैंड्स और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच विश्व कप से पहले भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हॉकी इंडिया ने पुरुष और महिला टीमों के लिए पारंपरिक नीली जर्सी की जगह केसरिया रंग की नई जर्सी लॉन्च की है, जिस पर पूर्व कप्तानों ने आपत्ति जताई है। पूर्व कप्तान वीरेन रस्किन्हा और परगट सिंह ने इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि नीली जर्सी भारतीय हॉकी की पहचान और विरासत का हिस्सा रही है।

रस्किन्हा ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय टीम की विरासत और पहचान हमेशा नीली रही है। मैंने कई वर्षों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। प्रशंसक भी भारतीय टीम को नीली जर्सी में देखना चाहते हैं।

आखिर नारंगी रंग का तर्क क्या है? उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहते और उनका सवाल सिर्फ भारतीय हॉकी की पहचान और विरासत को लेकर है।

हॉकी इंडिया ने दी सफाई

हॉकी इंडिया ने जर्सी में बदलाव को तकनीकी जरूरत बताया है। संगठन के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय हॉकी में इस्तेमाल होने वाली नीली सिंथेटिक पिच पर नीली जर्सी खिलाड़ियों की दृश्यता को प्रभावित कर रही थी। हॉकी इंडिया ने कहा, नीली जर्सी मैदान के रंग के साथ घुल-मिल जाती थी, जिससे खिलाड़ियों को चीजों को स्पष्ट रूप से पहचानने में परेशानी होती थी। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से चर्चा के बाद केसरिया जर्सी को अपनाने का फैसला किया गया। हॉकी इंडिया ने नई जर्सी को साहस, बलिदान और जीत का प्रतीक बताया है। जर्सी में केसरिया रंग के साथ तिरंगे की पट्टी, अशोक चक्र से प्रेरित नेवी ब्लू डिजाइन और भारतीय संस्कृति से जुड़े ग्राफिक्स शामिल किए गए हैं।

धनराज पिल्लै ने भी जताई नाराजगी

भारतीय हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी धनराज पिल्लै ने भी नई जर्सी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी की पहचान हमेशा नीले रंग से रही है। धनराज ने कहा, केसरिया हमारे तिरंगे का महत्वपूर्ण रंग है, लेकिन भारतीय हॉकी की पहचान उससे नहीं जुड़ी है। यह कोई आईपीएल या फ्रेंचाइजी हॉकी नहीं है, जहां हर सीजन जर्सी का रंग बदल जाए। उन्होंने कहा कि ध्यानचंद से लेकर आधुनिक दौर तक भारतीय खिलाड़ी नीली जर्सी में ही देश का प्रतिनिधित्व करते आए हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया की तकनीकी दलील पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर नीली जर्सी से समस्या थी तो कोई दूसरा रंग भी चुना जा सकता था।

परगट सिंह ने साधा निशाना

पूर्व कप्तान और ओलंपियन परगट सिंह ने जर्सी के रंग बदलने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि खेलों को राजनीति से दूर रखना चाहिए। उन्होंने कहा, दशकों से भारतीय हॉकी टीम गर्व के साथ नीली जर्सी पहनती रही है और यह हमारी खेल पहचान बन चुकी है। इसे बदलना दुर्भाग्यपूर्ण है। खेलों में बेहतर बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को समर्थन देने पर ध्यान देना चाहिए। परगट ने कहा कि खेल का कोई धर्म या जाति नहीं होती, सिर्फ खेल भावना होती है।

जर्सी में भारतीय प्रतीकों का किया गया इस्तेमाल

हॉकी इंडिया के अनुसार, नई जर्सी का डिजाइन भारत की सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। इसमें केसरिया रंग को साहस और बलिदान का प्रतीक बताया गया है। जर्सी के बीच में मंडला डिजाइन, छाती पर सुदर्शन चक्र से प्रेरित ग्राफिक और गले से कंधे तक तिरंगे की पट्टी शामिल है। जर्सी पर लिखा इंडिया देवनागरी लिपि से प्रेरित बताया गया है।

पहले भी बदली है जर्सी

हॉकी इंडिया ने कहा कि जर्सी का रंग बदलना पहली बार नहीं हुआ है। 2014 विश्व कप में भारतीय टीम ने पीली जर्सी और 2018 में आसमानी नीले डिजाइन वाली जर्सी का इस्तेमाल किया था। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि नीला रंग भारतीय हॉकी की ऐतिहासिक पहचान रहा है और इसमें बदलाव सोच-समझकर किया जाना चाहिए। हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने बदलाव का बचाव करते हुए कहा कि केसरिया रंग भारत के राष्ट्रीय ध्वज का हिस्सा है और इसमें कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है।

3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य समेत भारत के खाते में अब तक 15 पदक

कॉमनवेल्थ में गावित ने दिलाया तीसरा गोल्ड

● ग्लासगो / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सातवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिलीप महादु गावित ने पुरुषों की पैरा टी47 कैटेगरी की 100 मीटर दौड़ में 10.71 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। भारत के ही मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस (10.85 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। गावित से पहले भारत के लिए महिलाओं की पैरा शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में शर्मिला धनकड़ और वेटलिफ्टिंग के 48 किग्रा वर्ग में मीराबाई चानू स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर ने जीता रजत

लंबी कूद में भारत के मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। वह लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। जमैका के तजय गेल ने 8.15 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

सातवें दिन के मुकाबलों के बाद भारत के खाते में कुल 15 पदक हो गए हैं, जिनमें 3 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य शामिल हैं। भारत पदक तालिका में आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 103 पदकों (47 स्वर्ण सहित) के साथ शीर्ष पर बना हुआ है।

चोपड़ा फाइनल में पहुंचे

स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो क्वालिफिकेशन में 79.61 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए फाइनल में जगह बनाई। नीरज क्वालिफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल में पहुंचने के बाद उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। भारत के रोहित यादव (78.37 मीटर) और यश वीर सिंह (78.36 मीटर) भी शीर्ष-12 में जगह बनाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। कोई भी खिलाड़ी 84 मीटर के ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को हासिल नहीं कर सका।

बाउल्स में भारत की लगातार तीसरी जीत

भारत के तेजस्विन शंकर ने पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में शानदार शुरुआत की। तीन इवेंट के बाद वह 2558 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने लंबी कूद में 7.82 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर 1015 अंक हासिल किए। इससे पहले 100 मीटर दौड़ में उन्होंने 10.96 सेकेंड का समय निकालकर 870 अंक जुटाए थे। भारत की मार्टिना देवी मैबाम महिलाओं की +86 किग्रा वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में कुल 245 किग्रा वजन उठाकर पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नैच में 105 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 140 किग्रा वजन उठाया। वह कांस्य पदक से सिर्फ 5 किग्रा पीछे रह गईं। बाउल्स के पुरुष पेयर्स वर्ग में भारत के नवनीत सिंह और दिनेश कुमार ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बोत्सवाना को टाई-ब्रेकर में 9-2, 3-4, 1-0 से हराया। कुक आइलैंड और नामीबिया के खिलाफ जीत के बाद यह भारतीय जोड़ी की लगातार तीसरी जीत है। इसके साथ ही भारत सेक्शन बी में शीर्ष पर पहुंच गया है।

साइकिलिंग में भारत पदक दौड़ से बाहर

पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा में भारत के विशाल टीके का सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्होंने 46.33 सेकेंड का समय निकाला और अपनी हीट में छठे स्थान पर रहे। पुरुषों की टीम स्प्रिंट क्वालिफिकेशन में भारत की रोजित सिंह, डेविड बेकहम और रोनाल्डो सिंह की टीम 46.396 सेकेंड के समय के साथ सातवें स्थान पर रही। इसके साथ ही भारतीय टीम पदक मुकाबले की दौड़ से बाहर हो गई।

एथलेटिक्स : ट्रिपल जंप में प्रवीण और सेल्वा फाइनल में

एथलेटिक्स में भारत के लिए एक और अच्छी खबर आई, जब प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु ने पुरुषों की ट्रिपल जंप के फाइनल में जगह बना ली। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रवीण ने क्वालिफिकेशन में 16.41 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सेल्वा प्रभु ने अंतिम प्रयास में 16.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

भारत के आज के मुकाबले...

31 जुलाई (शुक्रवार)

- दोपहर 2.30 बजे : एथलेटिक्स (मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले हीट्स)
- दोपहर 3.00 बजे : मुक्केबाजी सेमीफाइनल
- दोपहर 3.30 बजे : जूडो प्रारंभिक मुकाबले
- रात 8.30 बजे : जूडो फाइनल
- रात 11.00 बजे : पुरुष भालाफेंक फाइनल (संभावित. नीरज चोपड़ा),
- 400 मीटर बाधा दौड़ और 200 मीटर फाइनल

रहाणे ने क्रिकेट के सभी फार्मेट से लिया संन्यास

सोशल मीडिया पर लिखा-अब क्रिकेट से आगे बढ़ने का सही समय आ गया है

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 12 साल लंबे करियर के बाद रहाणे ने कहा कि अब क्रिकेट से आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।

रहाणे ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश में लिखा कि भारतीय टीम की कैप पहनना उनका सबसे बड़ा सपना था और उन्होंने हमेशा देश व टीम को खुद से ऊपर रखा। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट में 5077 रन, 90 वनडे में 2962 रन और 20 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 375 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में उनकी पहचान विदेशी दौरों पर भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में रही। उनके करियर का सबसे यादगार पल 2020-21 ऑस्ट्रेलिया दौरा रहा, जब विराट कोहली की गैरमौजूदगी में उन्होंने टीम की कप्तानी संभाली और भारत को गाबा में ऐतिहासिक जीत

दिलाकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कराई। रहाणे ने भारत की टेस्ट कप्तानी में छह मैच खेले, जिनमें टीम ने चार जीत दर्ज की और दो मुकाबले ड्रॉ रहे। वह बिना हार कप्तानी खत्म करने वाले चुनिंदा भारतीय कप्तानों में शामिल रहे।

जूडो क्लस्टर : एमपी पुलिस की महिला खिलाड़ियों ने लगाई पदकों की झड़ी

दीक्षा का डबल धमाल, तृप्ति-दीप्ति को कांस्य पदक

● भोपाल / (एजेंसी)

हैदराबाद में आयोजित 11वीं ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश पुलिस की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया।

रेगू इवेंट में तृप्ति पांडे, दीप्ति पटेल और दीक्षा शर्मा की टीम ने कांस्य पदक जीता, जबकि तुंगल इवेंट में दीक्षा शर्मा ने भी ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। 23 से 30 जुलाई 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

गाजियाबाद रायल्स फिर बना चैंपियन

गाजियाबाद /(दिव्य भारत ब्यूरो)।30 जुलाई, 2026 को लीजेंड्स प्रीमियर लीग टू का फाइनल गत विजेता गाजियाबाद रॉयल्स और गत उपविजेता गाजियाबाद टाइटंस के बीच खेला गया।

सिक्का टाइटंस के पक्ष में गिरा तो उन्होंने पिच में सुबह की नमी का फायदा उठाने के लिये क्षेत्ररक्षण का फैसला करने में देर नहीं लगाई।

इसका फायदा भी उन्हें मिला। रायल्स के नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, हालांकि उनके बल्लेबाजों ने गेंदों पर प्रहार जारी रखा, और रनगति लगातार 10 के आसपास बनाये रखी। हालांकि अनूप और पुनीत के आक्रमण में लगने के बाद रन गति पर भी अंकुश लगा, लेकिन निचले क्रम में आये मैन ऑद द मैच अजीत मलिक ने 26 गेंदों पर 47 रन बनाकर रायल्स को 193 रनों तक पहुंचा दिया, जो किसी आम दिनों के लिये बेशक सामान्य होता लेकिन फाइनल के दबाव को देखते हुए यह एक बड़ा स्कोर था। रायल्स की ओर से धीरज ने 33, राकेश ने 22,मोहित ने 20,मोमिन ने 25 रन बनाये। शेष खिलाड़ियों ने भी छोटी किंतु उपयोगी पारियां खेलीं। पुनीत ने 3 ओवरों में सिर्फ 15 रन देकर तीन विकेट लिये। उनके अलावा अरूण और निशांत ने दो-दो तथा अनूप और चिट्टी को एक-एक विकेट मिला।

टाइटंस की बल्लेवबाजी की गहराई और उनके फार्म को देखते हुए यह स्कोर ज्यादा नहीं लग रहा था। रोहित ने एक बार फिर तेज शुरूआत की, लेकिन विनीत का एक तेज शाट स्क्वायर लेग पर सीधा चंदन चौधरी के हाथों में चला गया। इसके बाद अजीत मलिक, जो आज बेहतरीन बैटिंग के बाद गजब की ऊर्जा के साथ गेंदबाजी कर रहे थे, ने अनिल शर्मा और वैभव को भी आउट कर दिया। वैभव थोड़ा अनलकी रहे, जो एक गेंद को डिफेंस करते हुए प्लेडऑन हो गये। इसके बाद रोहित भी हिमांशु शर्मा की एक गेंद को प्वाइंट के ऊपर से बाउंड्री के लिये भेजा लेकिन वे अपने आप पर नियंत्रण नहीं रख सके और हिट विकेट हो गये। बाद में कप्तान अमल भी तरूण गुप्ता (4 ओवर 23 रन 2 विकेट) की एक गेंद को स्क्वायर लेग पर बाउंड्री मारने के बाद विकेट पर गिर गये। आरिफ ने 22 रनों का एक बेहतरीन कैमियो खेला। बाद में निशांत जैन 46 गेंद 51 रन और चिट्टी 24 रन ने कुछ प्रयास अवश्य किये लेकिन टीम 33 रनों से पीछे रह गयी।

रायल्स की ओर से हिमांशु, अजीत और तरूण को दो-दो विकेट तथा चंदन, योगेश और कप्ताकन विकी को एक-एक विकेट मिला। टूनामेंट का सर्वोत्तम बल्लेबाज विक्रांत को तथा सर्वोत्तम गेंदबाज एवं प्लेटयर आफ द टूनामेंट निशांत जैन को चुना गया।

पहल | उज्जैन की बॉक्सर ने आंगनवाड़ी के बच्चों को खेल, योग और फिटनेस से जोड़ना शुरू किया

बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए तैयार कर रहीं दिव्या

● भोपाल / (एजेंसी)

उज्जैन के इंगोरिया विकासखंड की एक छोटी-सी आंगनवाड़ी में अब बच्चों की किलकारियों के साथ आत्मविश्वास और अनुशासन की नई कहानी भी लिखी जा रही है। यहां बच्चों को केवल पोषण और प्रारंभिक शिक्षा ही नहीं मिल रही, बल्कि खेल और योग के माध्यम से उनके व्यक्तित्व विकास पर भी काम किया जा रहा है।

इस बदलाव की प्रेरक हैं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और बॉक्सर दिव्या नागर। दिव्या नागर का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, आवश्यकता होती है तो उन्हें सही दिशा और अवसर देने की। इसी सोच के साथ उन्होंने आंगनवाड़ी के बच्चों को खेल, योग और फिटनेस से जोडऩा शुरू किया। दिव्या नियमित रूप से बच्चों को योगासन, प्राणायाम और शारीरिक अभ्यास कराती हैं। सुबह-सुबह नन्हे बच्चों को योग करते देखना अब ग्रामीणों के लिए भी प्रेरणादायक दृश्य बन गया है। उनका कहना है कि योग बच्चों के शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांत और एकाग्र बनाता है। खेल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें चुनौतियों का सामना करना सिखाते हैं। खुद बॉक्सिंग की खिलाड़ी रहीं दिव्या अब बच्चों को फिटनेस, अनुशासन और मेहनत का महत्व समझा रही हैं। योग और बेसिक ट्रेनिंग के माध्यम से वे बच्चों में फुर्ती, संतुलन और आत्मविश्वास विकसित कर रही हैं। छोटे-छोटे बच्चे जब उनके साथ योगाभ्यास करते हैं और बॉक्सिंग के शुरुआती अभ्यास सीखते हैं, तो उनके चेहरे पर उत्साह साफ दिखाई देता है।

क्या है दिव्या का सपना

शुरुआत में ग्रामीणों के लिए आंगनवाड़ी केवल पोषण आहार और टीकाकरण तक सीमित थी, लेकिन दिव्या की पहल ने इसकी तस्वीर बदल दी है। अब लोग देख रहे हैं कि एक समर्पित कार्यकर्ता बच्चों के स्वास्थ्य, सोच और भविष्य को नई दिशा दे सकती है। दिव्या नागर का सपना केवल बच्चों के वर्तमान को बेहतर बनाना नहीं है। वह चाहती हैं कि उनके गांव के बच्चे आगे चलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं, तिरंगा लहराएं और ओलंपिक जैसे मंचों पर देश का नाम रोशन करें।

यूएई ने अंडर-19 महिला टी20 विश्वकप के लिए किया क्वालीफाई

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

यूएई ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप एशिया क्वालीफायर के फाइनल में मलेशिया को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराकर 2027 विश्व कप के लिए जगह बना ली है। फाइनल में यूएई की टीम सिर्फ 95 रन पर ऑलआउट हो गई थी, लेकिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से उसने इस छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। अल मसीरा जहांगीर ने 31 रन बनाने के बाद गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। यूएई ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग, मलेशिया, कतर और भूटान को हराया और लगातार पांच जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। यूएई की कप्तान महक ठाकुर ने कहा कि टीम ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना बेहद खास उपलब्धि है। वहीं, ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर जीतकर समोआ ने भी 2027 अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में जगह बना ली है। समोआ लगातार दूसरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
260 = 8	400 = 4
460 = 0	890 = 7
शुभांक	
दिन	रात
147 = 2	346 = 3
134 = 8	348 = 5
भाग्यांक	
3 4	7 9
www.kalyangame.com	

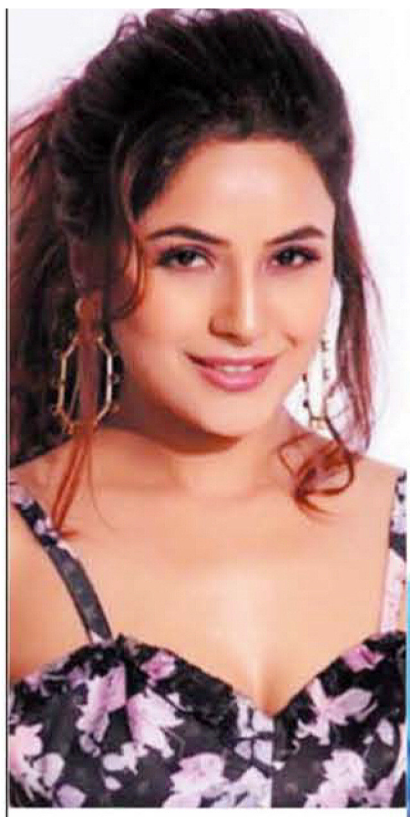

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज से पहले शहनाज गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज ने अपनी आवाज और अपने अंदाज में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज दी है, वहीं अब शहनाज का स्पेशल कवर वर्जन इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नजरिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज में गाया है, जिसमें नसीमा के जज्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्जन को लेकर शहनाज गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्जन रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्जन से भी जुड़ेंगे।' शहनाज पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्जन के साथ शहनाज गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

'कहानी 3' में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंजाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

शूटिंग के लिए शुरू हुई तैयारी

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने रविवार को वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा - क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते। वे ईश्वर के साथ होने वाली ऐसी बातचीत होते हैं, जो वहां से वापस आने के बाद भी लंबे समय तक इंसान के मन में चलती रहती है। अभिनेत्री के इस आध्यात्मिक अनुभव को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अगले साल तक के लिए टल सकती है सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। इस फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 में तय की गई थी, लेकिन रीशूट और स्क्रिप्ट में बदलाव के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज साल 2027 तक के लिए आगे खिसक सकती है। फिल्म के कंटेंट और चीन से जुड़े संवेदनशील संदर्भों को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि अगर ये समस्याएं जल्द ही हल हो भी जाती हैं, तब भी 2026 में एक उपयुक्त रिलीज स्लॉट मिलना काफी मुश्किल होगा, क्योंकि साल की ज्यादातर बड़ी और खास डेट्स पहले ही दूसरी फिल्मों द्वारा बुक की जा चुकी हैं। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सभी मुद्दे समय रहते सुलझ जाते हैं, तो मेकर्स इसे इसी साल दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने पर विचार कर सकते हैं।

'प्रहार...' में राजकुमार ने नकल नहीं, निकम की बारीकियां आत्मसात कीं

राजकुमार राव स्टारर फिल्म 'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' जल्द ही रिलीज होगी। इसकी तैयारी और राजकुमार की मेथड एक्टिंग को लेकर खुद वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व पब्लिक प्रॉसिक्यूटर निकम ने खास बातें साझा कीं.... उज्ज्वल निकम बताते हैं कि 'राजकुमार राव ने पारंपरिक रिसर्च की तरह लगातार सवाल नहीं पूछे। वह लंबे समय तक सामने बैठकर केवल यह देखते थे कि मैं कैसे बैठता हूं, फाइल कैसे पकड़ता हूं और अदालत में बहस करते समय हाथों का इस्तेमाल कैसे करता हूं। राजकुमार ने मेरी नकल नहीं की, बल्कि पूरी बॉडी लैंग्वेज को आत्मसात किया। उन्होंने मुझसे सवाल कम पूछे, लेकिन मेरी हर सूक्ष्म बारिकियों को बखूबी पकड़ा।' निकम के मुताबिक, 'राजकुमार की दिलचस्पी संवाद याद करने से ज्यादा उस व्यक्तित्व को समझने में थी, जिसे उन्हें परदे पर जीना था। वह रियल लाइफ में इंट्रोवर्ट हैं लेकिन किरदार की तैयार के लिहाज से की जाने वाली हर चीज जेहन में दर्ज करते जाते हैं। खास बात ये है कि वह अनावश्यक बातचीत में समय नहीं गंवाते। यही उनकी तैयारी की सबसे बड़ी ताकत है।'

वॉइस पर भी खास मेहनत की गई

निकम का कहना है कि 'अदालत में किसी वकील की पहचान केवल कानूनी ज्ञान से नहीं, बल्कि प्रस्तुति से भी बनती है। वॉइस कब ऊंची होगी, कब धीमी होगी और किस तर्क पर कितना विराम लेना है। इन बारीकियों पर राजकुमार ने खास तौर पर विशेष मेहनत की। उन्होंने सिर्फ संवाद याद नहीं किए, बल्कि उस लय को पकड़ने की कोशिश की जिसमें मैं अदालत में दलीलें रखता हूं।'

पुराने वीडियो देखकर राजकुमार ने पकड़ी निकम की शैली

व्यक्तिगत मुलाकातों के अलावा राजकुमार ने निकम की कई पुराने दलीलों और रिकॉर्डिंग्स को बार-बार देखा। बकौल निकम, 'मैंने देखा कि वह शब्दों पर जोर, बोलने की स्पीड और चेहरे के भावों को समझने के लिए मेरे वीडियोज बार-बार देखते थे। यह किसी संवाद को याद करने का नहीं, बल्कि एक इंसान के व्यक्तित्व को आत्मसात करने का अभ्यास था।'

असली कोर्ट जाकर लाइव माहौल भी समझा

निर्देशक अविनाश अरुण के साथ राजकुमार ने वास्तविक अदालत की कार्यवाही भी देखी। निकम कहते हैं कि 'राजकुमार को असल कोर्ट में जाकर समझ आया कि कोर्टरूम फिल्मों से बिल्कुल अलग दुनिया है। वहां हर शब्द का महत्व होता है, हर प्रतिक्रिया नियंत्रित होती है।' शूटिंग के दौरान खुद सेट पर पहुंचे थे निकम, बोल दिए संवाद निकम के अनुसार, किसी व्यक्ति की हूबहू नकल करना आसान है लेकिन उसे परदे पर विश्वसनीय बनाना मुश्किल। राजकुमार ने मेरी आवाज या चाल की कॉपी करने की कोशिश नहीं की। उन्होंने मेरी सोच, प्रतिक्रिया और ऊर्जा को समझने की कोशिश की।

'द इंडिया...' का क्लाइमैक्स निभाना आसान नहीं था

श्रेयस तळपदे इन दिनों अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ काजल अग्रवाल भी हैं। श्रेयस ने खास बातचीत में अपने किरदार, फिल्म के विषय और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभव साझा किए...

बतौर एक्टर आपके लिए 'द इंडिया स्टोरी' की सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

'द इंडिया स्टोरी' का सबसे मुश्किल हिस्सा क्लाइमैक्स का एक इमोशनल सीन था। अस्पताल के माहौल में पिता और बेटी के संघर्ष को इतनी वास्तविकता के साथ फिल्माया गया कि उसे निभाना मेरे लिए भी काफी डिस्टर्बिंग रहा। कुछ सीन कलाकार के मन में लंबे समय तक रह जाते हैं और यह उन्हीं में से एक है। हालांकि निर्देशक और पूरी टीम के सहयोग से उस चुनौती को पार कर पाया।

यह फिल्म करने के बाद आप खुद खाद्य पदार्थों को लेकर कितने सतर्क हुए हैं?

इस फिल्म के बाद मैं खुद भी ज्यादा सावधान हो गया हूं। डेयरी प्रोडक्ट्स काफी कम कर दिए हैं और कच्ची सब्जियां सीधे खाने के बजाय स्टीम करके खाता हूं। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जो खाना उनकी थाली में है, वह कहां से आ रहा है, उसमें कितना कीटनाशक इस्तेमाल हुआ है और वह किस स्रोत से आया है। जब उपभोक्ता जागरूक होकर सवाल पूछेंगे, तब खाद्य उत्पादकों को भी बेहतर और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

असल भीड़ के साथ शूट करने में कोई परेशानी हुई?

हमारे डायरेक्टर ने जिस तरह से सीन सेटअप किया था, जो माहौल क्रिएट किया है, वह बहुत ही रियलिस्टिक रहा। जैसे हॉस्टिपटल के कुछ सीक्वेंस और कोर्ट के अंदर-बाहर के कुछ सीन सीक्वेंस हैं। वहां जितने क्राउड की जरूरत थी, उन्हें रियल में बुलाकर फिल्माया गया है। पूरे क्राउड के साथ शूट करने का फिल्म पर एक अलग ही असर होता है।

स्क्रिप्ट चुनने का पैमाना क्या है?

कहानी से एक जुड़ाव महसूस होना जरूरी है। ऐसा लगना चाहिए कि यह कहानी बतौर एक्टर मेरे पोटेंशियल को थोड़ा चैलेंज करेगी। मैं इस कहानी के जरिए दर्शकों को कुछ नया दिखा पाऊंगा। हमारे फैंस भी चाहते हैं कि हम कुछ न कुछ नया लेकर आएं। ऐसा लगता है कि कहानी दिलचस्प हो सकती है, तब उसे करने के लिए तैयार हो जाता हूं।

पहली बार काजल अग्रवाल के साथ काम की यादें और काई वाकया साझा करेंगे?

काजल बहुत सुलझी हुई, समझदार और प्रोफेशनल एक्ट्रेस हैं। सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। अगर ऐसे शानदार एक्ट्रेस हों, तब उनके होने से सामने वाले का काम बेहतर हो जाता है। ऑफकोर्स, हमारे बीच खाने, स्क्रिप्ट और बच्चों को लेकर काफी डिसकशन होते थे।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630